हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in http://hindidaily.net

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 163 Thursday, 3 April 2025 गुरुवार ३ एप्रिल २०२५ HYDERABAD 8 PAGES RS.1.00

आज राज्यसभा में पेश होगा वक्फ बिल; 12 घंटे चर्चा के बाद ऐसे लगी लोकसभा में मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी),

लोकसभा में बुधवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इस विधेयक पर पूरे दिन बहस हुई। बहस के बाद बुधवार देर रात इस विधेयक पर मतदान हुआ। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक बिल पास हो गया है।

14 दिन बाद साहिल को देखते ही रो पड़ी मुस्कान

- जेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई मुलाकात,बढ़ी न्यायिकहिरासत

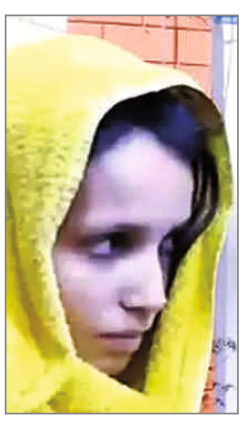

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ के सौरभ हत्याकांड में जेल में बंद साहिल और मुस्कान को बुधवार को 14 दिन बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के समय पेशी के दौरान पहली बार मुलाकात हुई। यह मुलाकात जेल के वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में हुई, जहां कोर्ट में उनकी ऑनलाइन पेशी कराई गई। जैसे ही मुस्कान ने साहिल को देखा, वह भावुक हो गई और रो पड़ी। हालांकि जेल प्रशासन ने उन्हें एक-दूसरे से बात नहीं करने दी। साहिल और मुस्कान की न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में

पेश किया गया। पहले जज ने मुस्कान और फिर साहिल का नाम पुकारा और उनसे कुछ सवाल किए। इसके बाद अदालत ने दोनों की हिरासत की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी। पेशी खत्म होते ही मुस्कान को महिला बैरक और साहिल को पुरुष बैरक में वापस भेज दिया गया। मेरठ पुलिस ने सौरभ हत्याकांड में चार्जशीट लगभग तैयार कर ली है, जो अगले सप्ताह कोर्ट में पेश की जाएगी। पुलिस की केस डायरी में स्पष्ट किया गया है कि इस हत्याकांड की वजह तंत्र क्रिया नहीं बल्कि साहिल और मुस्कान का प्रेम संबंध था।

जयपुर ब्लास्ट की साजिश में शामिल आतंकवादी गिरफ्तार

ईद मनाने रतलाम गया था,5 लाख का ईनामी है,एनआईए को भी थी तलाश

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश में शामिल फरार आतंक फिरोज खान को रतलाम पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आतंकवादी पर नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 5 लाख रुपए का इनाम रखा था। दरअसल, 30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में 12 किलो आरडीएक्स के साथ तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें जुबेर पिता फकीर मोहम्मद अल्तमस खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला थे। यह सभी जयपुर में सीरियल ब्लास्ट के लिए कार

से आरडीएक्स ले जा रहे थे। इन्होंने साजिश में शामिल 11 आतंकियों के नाम बताए थे। फरार आतंकी फिरोज की तलाश के लिए पूर्व में कई बार एनआईए रतलाम में दबिश दे चुकी थी। मंगलवार (1 अप्रैल) रात को रतलाम एसपी अमित कुमार इनपुट मिला था कि फिरोज आनंद कॉलोनी में उसके घर आया है।

छठवां स्वरूप कात्यायनी

सूक्ष्म जगत जो अदृश्य, अव्यक्त है, उसकी सत्ता मां कात्यायनी चलाती हैं। वह अपने इस रूप में उन सब की सूचक हैं, जो अदृश्य या समझ के परे है। मां कात्यायनी दिव्यता के अति गुप्त रहस्यों की प्रतीक हैं।

रिजिजू ने आंकड़ों से बताया वक्फ के पास कितनी संपति

- कहा-सेना, रेलवे नहीं, वक्फ बोर्ड के पास सबसे ज्यादा निजी संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कि विधेयक पर चर्चा क शुरुआत करते हुए किर रिजिजू ने कहा, ऑनलाइन, ज्ञापन, अनुरोध और सुझाव के रूप में 97,27,772 याचिकएं प्राप्त हुई हैं। 284 डेलिगेशन ने कमेटी के सामने अपनी बात रखी और सुझाव दिए। सरकार ने उन सभी पर ध्यानपूर्वक विचार किया है, चाहे वे जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के माध्यम से हों या सीधे दिए गए ज्ञापन। इतिहास में पहले कभी किसी विधेयक इतनी बड़ी संख्या में याचिकएं नहीं मिली हैं। वक्फ की संपत्ति पर बोलते हुए रिजिजू ने कहा, वक्फ

बोर्ड के पास लाखों एकड़ जमीन और लाखों करोड़ की संपत्ति है तो देश के गरीब मुसलमानों के लिए इसका इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है। रिजिजू ने कहा कि रेलवे और सेना की जमीन पब्लिक प्रॉपर्टी है, जिसका इस्तेमाल देश के लिए होता है। वह किसी की निजी संपत्ति नहीं है। बता दें कि देश में वक्फ बोर्ड के पास रेलवे और सेना के बाद देश में तीसरी सबसे बड़ी संपत्ति है।

...तो हमारे देश का मुसलमान गरीब क्यों है

किरेन रिजिजू ने बताया कि भारत में सबसे अधिक जमीन इंडियन रेलवे के पास है। इसके बाद डिफेंस और तीसरा नंबर वक्फ बोर्ड का आता है। मैं उसे सुधारना चाहता हूं। हजारों किलोमीटर रेलवे ने पटरी लगाया है। वो रेलवे की संपत्ति थोड़े है। देश की संपत्ति है। डिफेंस देश की रक्षा करता है उसकी संपत्ति देश की है। उसकी जमीन देश की है। वक्फ प्रॉपर्टी प्राइवेट प्रॉपटी होती है। दुनिया में सबसे अधिक वक्फ प्रॉपर्टी भारत में है। ऐसा क्यों है 60 साल तक आप सत्ता में रहे हैं, दुनिया की सबसे अधिक संपत्ति वक्फ के पास है तो हमारे देश का मुसलमान गरीब क्यों है। मुसलमानों की भलाई के लिए क्यों नहीं काम हुआ। विधेयक को सदन में पेश करते ही विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस ने विधेयक के खिलाफ अपनी आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें विधेयक की प्रति देर से प्राप्त हुई, जिसके कारण उन्हें समीक्षा के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। कांग्रेस के नेताओं ने चर्चा के दौरान कहा कि सरकार ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को जल्दबाजी में पेश किया है और विपक्ष को इस पर चर्चा के लिए उचित अवसर नहीं दिया गया। विधेयक पेश होने के बाद सदन में हंगामे की स्थिति देखी गई, क्योंकि विपक्षी सांसदों ने अपनी नाराजगी जाहिर की। रिजिजू ने कहा- अगर हमने आज यह संशोधन बिल पेश नहीं किया होता, तो जिस इमारत में हम बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सत्ता में नहीं आती तो कई अन्य संपत्तियां भी गैर-अधिसूचित हो गई होतीं।

भोपाल में वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में जमकर आतिशबाजी

भोपाल। संसद में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा हो रही है। बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए जहां बिल का समर्थन कर रहा है, वहीं कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल इसके विरोध में हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल में इस बिल के समर्थन में मुस्लिम समाज के कुछ लोगों ने आतिशबाजी कर खुशी जताई। आनंदपुरा और कोकता इलाके में बुर्का

पहनी मुस्लिम महिलाएं हाथों में गुलाब थामे थीं। वे 'थैंक यू, मोदी जी' और 'वी सपोर्ट मोदी जी' लिखी तख्तियां लिए थीं। भोपाल के हथाई खेड़ा डैम के पास भी जश्न मनाया गया। विधायक मसूद ने कहा, एक बहुत बड़ी समस्या यह है कि कलेक्टर को जिम्मेदार बनाया जा रहा है। वही कलेक्टर जिसने हमारे कब्रिस्तानों को सरकारी घोषित किया हुआ है। हम इसके खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हैं। हमारे पास 1959 के 41 और 1947 के दस्तावेज हैं, जो यह साबित करते हैं कि यह वक्फ की संपत्ति है।

यूपी के 50 जिलों में फ्लैग-मार्च, पुलिस की छुट्टियां कैंसिल

लखनऊ (एजेंसी)। लोक सभा में वक्फ संशोधन बिल पेश होने के बाद यूपी के 50 से ज्यादा शहरों में पुलिस फ्लैग मार्च कर रही है। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज और संभल में प्रशासन अलर्ट पर है। संसद के बाहर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- भाजपा ने रेलवे को बेचा, डिफेंस की जमीन बेची और अब वक्फ की जमीनें बेची जाएंगी। उन्होंने कहा- जिन लोगों के लिए यह बिल लाया जा रहा, उनकी ही बातों को अहमियत ना देना,

इससे बड़ी नाइंसाफी क्या होगी। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि मैं भी राम का वंशज हूं। मुझे भी राम मंदिर ट्रस्ट में शामिल करवा दें। 78 फीसदी वक्फ की संपत्ति विवादास्पद घोषित कर देना पूरी तरह से गलत है। वहीं, इससे पहले यूपी सरकार ने पुलिस की छुट्टियां कैंसिल कर दी है। विभाग ने आदेश जारी कर कहा कि जिन पुलिसकर्मियों की छुट्टियां मंजूर थीं, जो घर के लिए रवाना हो चुके हैं।

मोदी सरकार आदिवासियों का हक बचाने में रही नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर आदिवासियों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वन अधिकार कानून को सही तरीके से लागू नहीं कर रही है, जिसके चलते लाखों आदिवासी परिवार अपनी जमीन से बेदखल होने के खतरे में हैं। मंगलवार को राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस सरकार ने 2006 में यह कानून बनाया था ताकि आदिवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन पर हक मिले। लेकिन मोदी सरकार की लापरवाही की वजह से कई आदिवासियों को

जांच किये बगैर उनके जमीन के दावों को खारिज कर दिया गया। दरअसल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि जिन लोगों की जमीन के वन अधिकार कानून के दावे खारिज हो चुके हैं, उन्हें जमीन से हटा दिया जाए। इस फैसले के खिलाफ देशभर में विरोध हुआ, तब कोर्ट ने बेदखली पर रोक लगाई और सरकार को कहा कि वह खारिज दावों की फिर से जांच करे।

लालू की तबीयत बिगड़ी दिल्ली ले जाने की तैयारी

- शुगर बढ़ने की खबर, पिछले साल एंजियोप्लास्टी हुई,किडनी ट्रांसप्लांट करा चुके

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गई है। ब्लड शुगर बढ़ने की खबर है। ऐसा बताया जा रहा है कि शुगर बढ़ने के चलते एक पुराने जख्म से लालू की तकलीफ बढ़ गई है। राबड़ी आवास पर लालू का इलाज कर रहे डॉक्टर ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। बुधवार यानी आज शाम 4 बजकर 5 मिनट पर एयर इंडिया की फ्लाइट से लालू यादव इलाज के लिए दिल्ली

जा सकते हैं। उनके साथ राजद सुप्रीमो के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी दिल्ली जाएंगे। लालू यादव की बेटी मीसा भारती मंगलवार से दिल्ली में ही हैं। 26 मार्च, यानी 7 दिन पहले ही लालू यादव गर्दनीबाग में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने प्रदर्शन में शामिल हुए थे। वे तेजस्वी के साथ प्रदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने कहा था-गलत हो रहा है। सरकार को देखना चाहिए। हम इसके विरोध में हैं। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। नीतिश कुमार उन लोगों के साथ हैं, वो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं। जनता सब समझ रही है। बीते सालों में लालू प्रसाद यादव के तीन बड़े ऑपरेशन हो चुके हैं। 76 साल के लालू की 13 सितंबर 2024 को मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई थी। उन्हें एक स्टेंट लगा है। इससे पहले 2022 में उनका सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। बेटी रोहिणी ने किडनी डोनेट की थी। 2014 में लालू की ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। करीब 6 घंटे में एऑर्टिक वॉल्व बदला गया था। इस दौरान दिल में मौजूद 3 एमएम के छेद को भरा गया था।

एलओसी पर सेना ने 5 घुसपैठिए मार गिराए

- सेना बोली-कृष्णा घाटी की घटना,पाकिस्तान ने फायरिंग कर संघर्ष विराम किया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। हालांकि, इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घट मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान

की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। सेना ने कहा- हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जवाब दिया।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में एक परिवार के 11 लोगों की मौत

- मां बोली-बेटे की तेरहवीं के लिए कमाने गुजरात गए थे, सब खत्म हुआ

हरदा (एजेंसी)। होली पर बेटे सत्यनारायण का निधन हो गया था। उसकी तेरहवीं करने के लिए पैसे नहीं थे, इसलिए पोते समेत परिवार के 11 लोग काम करने गुजरात गए थे। वहां से काम करके लौटते तो बेटे की तेरहवीं करती, लेकिन उसके पहले ही पूरा परिवार खत्म हो गया। गुजरात से पता चला है कि हमारे घर के जो भी लोग काम करने गए थे, सभी शांत हो गए हैं। इसमें बेटा-बेटी, पोते-पोतियां, भांजे-भांजियां भी शामिल हैं। ये दर्द है गीताबाई का। हरदा के हंडिया की रहने वाली गीताबाई के तीन पोते समेत परिवार के 11 लोग गुजरात के बनासकांठा के पास डीसा में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर में विस्फोट में इन्होंने अपनी जान गंवा दी।

- **50 मीटर दूर तक बिखर गए थे शरीर के टुकड़े**- जिस समय हादसा हुआ, उस दौरान मजदूर पटाखा बनाने का काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे। हादसे पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। गुजरात सरकार ने भी मृतकों के परिजन को 4-4 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की बात कही है। हरदा विधायक डॉ. आरके दोगने ने मृतकों के परिवार को विधायक निधि से 20-20 हजार रुपए देने की घोषणा की है।

शाह के दौरे से पहले नक्सली शांति वार्ता को तैयार

- सेंट्रल कमेटी बोली-15 महीने में 400 साथियों को मारा, ऑपरेशन रोकें,युद्धविराम कर देंगे

जगदलपुर (एजेंसी)। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली केंद्र और राज्य सरकार से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है। अभय ने कहा कि, पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर राज्य और केंद्र सरकार नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रोकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। नक्सली नेता अभय ने तेलगु भाषा में पर्चा जारी किया है। इसमें लिखा है कि, 24 मार्च को हैदराबाद में संगठन की एक बैठक हुई थी। जिसमें बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे आने और बातचीत कर युद्धविराम की घोषणा करनी चाहिए इस पर बात हुई। अभय ने लिखा है कि, छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने शांति वार्ता के लिए पहल की थी। बता दें कि 5 अप्रैल को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर दौरे पर रहेंगे। पर्चे में लिखा है कि, जब हमारे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य और माओवाद संगठन के प्रतिनिधि विकल्प ने शांति वार्ता के लिए अपनी शर्त रखी थी कि जवानों को कैंप तक ही रखा जाए। ऑपरेशन को बंद किया जाए। जिसके बाद बातचीत करेंगे। इन शर्तों का जवाब दिए बगैर लगातार ऑपरेशन चलाए गए। पिछले 15 महीने में हमारे 400 से अधिक नेता, कमांडर, डीआरजी के कई स्तर के लड़ाके मारे गए। सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें जेल में डाल दिया गया है। ऐसे में

अब जनता के हित में हम सरकार से शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। नक्सली लीडर अभय ने कहा कि, इस मौके पर हम केंद्र और राज्य सरकार के सामने शांति वार्ता के लि सकारात्मक माहौल बनाने का प्रस्ताव रख रहे हैं। इसके लिए हमारा प्रस्ताव है कि केंद्र और राज्य सरकारें छत्तीसगढ़, (गढ़चिरौली), ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में ऑपरेशन के नाम पर हत्याओं और नरसंहार को रोकें। नए सु बलों के कैंप की स्थापना रोकें। अगर केंद्र और राज्य सरकारें इन प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देती हैं, तो हम तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर देंगे।

संपादकीय

हादसों से नहीं ली जा रही सीख...

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि आगे ऐसे इंतजाम किए जाएं ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर विडंबना है कि लगभग एक ही प्रकृति के हादसों का सिलसिला बना रहता है। सरकार की ओर से आगे सब ठीक करने के आश्वासन से ज्यादा कुछ भी ठोस सामने नहीं आता। पिछले कुछ वर्षों से देश भर में रेल हादसों की जैसी खबरें आ रही हैं, उससे यही लगता है कि रेल सुरक्षा को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और कभी भी किसी दुर्घटना की खबर आ सकती है। सवाल है कि अगर देश के अलग-अलग हिस्सों में आए दिन रेलगाड़ियां हादसों का शिकार हो रही हैं, तो उसके लिए किसकी जवाबदेही बनती है और उसमें सुधार के लिए ठोस उपाय करने की जिम्मेदारी किसके कंधे पर है।

गौरतलब है कि ओड़ीशा के कटक जिले के निर्गुंडी में रविवार को बंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के ग्यारह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और अन्य कई लोग घायल हो गए। हो सकता है कि कटक में हुई दुर्घटना में जानमाल का ज्यादा नुकसान न होना राहत की बात मानी जाए, लेकिन ग्यारह डिब्बों का पटरी से उतरना एक गंभीर घटना ही है। सच यह है कि एक छोटी चूक या लापरवाही की वजह से बहुत सारे लोगों की जान पर बन आती है और इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें ट्रेन हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई।

ऐसे हर हादसे के बाद सरकार की ओर से जांच और कार्रवाई करने की बात कही जाती है, लेकिन सवाल है कि चलती ट्रेन के पटरियों से उतरने और उससे उपजे जोखिम से यात्रियों को कब मुक्ति मिलेगी। लोग कब इस आशंका से पूरी तरह मुक्त होकर किसी ट्रेन से सफर करेंगे कि वह हादसे का शिकार न हो और वे सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं? अक सर ऐसी खबरें सुर्खियों में होती हैं, जिनमें बताया जाता है कि रेलवे विभाग जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने वाला है। इस तरह के सरकारी दावों के बरक्स हकीकत यह है कि आए दिन किसी ट्रेन के पटरी से उतर जाने की खबर आती है, तो कभी किसी अन्य हादसे की। अगर दुर्घटना को लेकर लोगों के भीतर किसी तरह का केवल डर भी बैठता है, तो इसका कारण लगातार होने वाले रेल हादसे ही होते हैं। जितने दावे नई और तमाम सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेनें चलाने के किए जाते हैं, उतना ही ध्यान अगर ट्रेनों के संचालन, बुनियादी ढांचे के विकास और उसके मजबूत करने पर दिए जाएं, तो शायद हादसों को कुछ लगाम दिया जा पाता। विचित्र है कि ट्रेनों की रफ्तार और उनके बोझ में तो लगातार इजाफा हो रहा है, मगर उसी मुताबिक पटरियों की गुणवत्ता और व्यवस्थागत पहलू को भी बेहतर करना जरूरी नहीं समझा जाता। सवाल है कि सिर्फ इस मामले में बरती जाने वाली उपेक्षा की वजह से अगर कोई रेलगाड़ी पटरी से उतर जाती है और हादसा हो जाता है, तो क्या सिर्फ जांच और कार्रवाई के आश्वासन के जरिए इस समस्या से पार पाया जा सकता है? आधुनिक शक्ल और महंगे किराए वाली ट्रेनें चलाने के बीच आए दिन छोटे-बड़े हादसे सामने आ रहे हैं और दूसरी ओर, भारतीय रेल महकमे में बड़ी तादाद में रिक्तियां पड़ी हुई हैं। सवाल है कि अगर सरकार ट्रेन हादसों पर लगाम लगाने का भरोसा देती भी है, तो लचर बुनियादी ढांचे और पदों के खाली रहने की स्थिति में उसका आधार क्या होगा?

भ्रष्टाचार रोकने के लिए संसदीय समिति ने सुझाए अहम सुझाव

नौकरशाही को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त करने की सिफारिशें लंबे समय से की जाती रही हैं। मगर इस दिशा में किसी भी सरकार ने गंभीरता से पहल नहीं की। यह परिपाटी-सी बन गई है कि जब भी सरकार बदलती और कोई दूसरा दल सत्ता की कमान संभालता है, तो बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए जाते हैं। हर राजनीतिक दल सत्ता संभालने के साथ ही अपने करीबी और भरोसेमंद अधिकारियों को जिम्मेदार पदों पर पदस्थ करता और उन्हें लंबे समय तक वहां बनाए रखने का प्रयास करता है। अब संसद की एक स्थायी समिति ने कहा है कि अधिकारियों को लंबे अरसे तक एक ही जगह पदस्थ किए रखने से भ्रष्टाचार बढ़ता है। कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से संबंधित चालू वर्ष की अनुदान मांगों पर अपनी रपट पेश करते हुए कहा कि अधिकारियों की बारी-बारी से स्थानांतरण की प्रचलित नीति लागू की जानी चाहिए। संसदीय समिति ने अपनी जांच में पाया कि कुछ अधिकारी आठ-नौ वर्षों से एक ही मंत्रालय में जमे हुए हैं। कुछ अधिकारियों ने अपनी तैनाती में कुछ इस तरह चतुराई दिखाई है कि उनका पूरा कार्यकाल एक ही मंत्रालय में बीता है। करीब पंद्रह वर्ष पूर्व जब अधिकारियों की थोड़े-थोड़े समय पर तबादलों की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंगुलियां उठनी शुरू हुई थीं, तब प्रशासनिक आयोग ने सिफारिश की थी कि किसी भी अधिकारी का तबादला तीन वर्ष से कम समय में न किया जाए, ताकि वे एक स्थान पर रह कर कुछ बेहतर काम कर सकें। मगर अब इसके उलट प्रवृत्ति विकसित हुई देखी जा रही है, तो यह भी चिंता का विषय है। निस्संदेह कुछ अधिकारी ईमानदारी और संजीदगी से काम करते हैं और उनका एक जगह लंबे समय तक बने रहना लाभदायक साबित होता है। मगर संसदीय समिति की इस बात को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता कि एक ही जगह लंबे समय तक बने रहने वाले अधिकारी अनियमितताओं में लिप्त हो जाते हैं। अगर बारी-बारी से अधिकारियों के तबादले की नीति रही है, तो उसका पालन करने में सरकारों को क्यों गुरेज होना चाहिए।

आज का कार्टून

क्षेत्रीय सहयोग पर भारत का रणनीतिक दांव...

बिम्सटेक के साथ भारत आर्थिक रूप से एकीकृत बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के लिए उसके दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रहा है. इसके साथ होने पर वो बाहरी प्रभावों का मुकाबला करेगा और क्षेत्रीय विकास को गति देगा. ढाका स्थित बिम्सटेक सचिवालय द्वारा 4 अप्रैल को बैंकॉक में आयोजित होने वाले छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के एजेंडे का अनावरण होते ही सभी की निगाहें क्षेत्रीय सहयोग में भारत की बढ़ती भूमिका पर टिक गई हैं. भू-राजनीतिक बदलाव के चलते एशिया के रणनीतिक परिदृश्य का स्वरूप भी बदल रहा है. इस बहदलते माहौल में आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण मजबूत क्षेत्रीय सहयोग की जरूरत है. इन हालात में भारत ने बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) को अपनी विदेश नीति का एक आधार बनाया है.

अरुणिम भुयान

साल 1997 में अस्तित्व में आए बिम्सटेक में बंगाल की खाड़ी के तटीय और समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित 7 देश शामिल हैं. इन देशों में बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं. इस समूह वाले देशों में 173 करोड़ की आबादी है. इस बड़े भूभाग का सरल घरेलू उत्पाद वर्ष 2023 में 5.2 ट्रिलियन डॉलर था. बैंकॉक में होने वाले शिखर सम्मेलन का विषय है 'समृद्ध, लचीला और खुला बिम्सटेक'. ढाका में बिम्सटेक सचिवालय ने कहा कि शिखर सम्मेलन, जिसका उद्देश्य साझा सुरक्षा और विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने के लिए सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है, एक समृद्ध, लचीले और खुले बिम्सटेक के लक्ष्य को साकार करने के लिए चल रहे प्रयासों को एक नई गति प्रदान करेगा।

बिम्सटेक सचिवालय ने अपने वक्तव्य में शिखर सम्मेलन के समृद्ध एजेंडे का उल्लेख किया है. 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की घोषणा को अपनाना: यह घोषणा बिम्सटेक नेताओं के दृष्टिकोण के साथ-साथ उनके निर्णयों और निर्देशों को भी प्रतिबिंबित करेगा. बैंकॉक विज़न 2030 को अपनाना: बिम्सटेक का यह पहला विज़न दस्तावेज़ है जिसे नेताओं द्वारा अपनाया जाएगा. यह बिम्सटेक सदस्य देशों के बीच भविष्य के सहयोग के लिए एक व्यापक और व्यावहारिक रोडमैप मुहैया करेगा.

समुद्री परिवहन सहयोग पर समझौते पर हस्ताक्षर: बिम्सटेक सहयोग समझौते का उद्देश्य बंगाल की खाड़ी में समुद्री परिवहन का विस्तार करना है. ऐसा होने से माल के साथ-साथ लोगों के परिवहन को बढ़ाया जा सकेगा. इसके जरिए सदस्य देशों के बीच अधिक व्यापार और यात्रा को सक्षम बनाया जा सकेगा. बिम्सटेक और इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईओआरए), तथा बिम्सटेक और ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर: इस समझौते का उद्देश्य बिम्सटेक और इन संगठनों के बीच विकासात्मक साझेदारी के एक नए युग की शुरुआत करना है.

बिम्सटेक तंत्र के लिए प्रक्रिया के नियमों को अपनाना: इसके तहत चार्टर के साथ मिलकर बिम्सटेक के तहत क्षेत्रीय सहयोग के लिए संस्थागत ढांचे की नींव रखना है. बिम्सटेक की भविष्य की दिशा पर प्रतिष्ठित व्यक्तियों के समूह की रिपोर्ट को अपनाना: गौर करने वाली बात ये है कि समूह ने बीते साल 2024 में 6 बैठकें कीं. इसने संबंधित हितधारकों से परामर्श किया. इसके साथ ही व्यापक विचार-विमर्श के बाद सितंबर 2024 में अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया. इस रिपोर्ट में कई सिफारिशें शामिल हैं और सदस्य राज्यों ने इन्हें लागू करने के उद्देश्य से कदम उठाने शुरू कर दिए हैं.

इस तरह से देखा जाए तो जून 1997 में बिम्सटेक की स्थापना के बाद से बैंकॉक में 2004 में सम्मेलन हुआ. साल 2008 में नई दिल्ली में, वर्ष 2014 में नेपीदा में सम्मेलन हुए. इसी कड़ी में काठमांडू में साल 2018 में और कोलंबो में 2022 में शिखर सम्मेलन आयोजित किए गए. इस तरह से अब तक 5 शिखर सम्मेलन हो चुके हैं. छठा सम्मेलन थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में होने जा रहा है. जान लें कि कोलंबो शिखर सम्मेलन

वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया था.

बिम्सटेक का ये 7 देशों वाला यह समूह 7 व्यापक क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाता है. इसके तहत कृषि और खाद्य सुरक्षा, संपर्क, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, लोगों से लोगों का संपर्क शामिल है. इसके साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, सुरक्षा तथा व्यापार, निवेश और विकास के क्षेत्र में सहयोग शामिल है. इन सात व्यापक क्षेत्रों के साथ सहयोग में 8 उप-क्षेत्र भी शामिल हैं. इन उप क्षेत्रों में नीली अर्थव्यवस्था, पर्वतीय अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन, मत्स्य पालन और पशुधन, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और मानव संसाधन विकास शामिल है. बिम्सटेक संगठन में भारत सुरक्षा क्षेत्र में आगे है. इसके साथ ही बिम्सटेक ऊर्जा केंद्र भी बेंगलुरु में स्थित है. बिम्सटेक में भारत का निवेश रणनीतिक है. इसके साथ ही आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिवार्यताओं से भी प्रेरित है. इस कारण से क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए नई दिल्ली के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है.

बीते सप्ताह विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि, बिम्सटेक में हमारा ध्यान संस्थान और क्षमता निर्माण, समुद्री और साइबर सुरक्षा सहित सुरक्षा को मजबूत करने, आपदा तैयारी सहित जलवायु सुरक्षा, खाद्य और मानव सुरक्षा और संपर्क बढ़ाने पर है. ये सब व्यापार, ऊर्जा, परिवहन, डिजिटल और लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्र हैं. ये सभी भारत की बिम्सटेक के साथ बढ़ती भागीदारी आंशिक रूप से दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की निष्क्रियता की वजह से बढ़ी है. आज के दिन पाकिस्तान की ओर से कनेक्टिविटी आतंकवाद-रोधी जैसे मुद्दों पर असहयोग के कारण सार्क एक समूह के रूप में लगभग अप्रभावी हो गया है. सितंबर 2016 में जम्मू और कश्मीर के उरी में एक सैन्य अड्डे पर पाकिस्तानी धरती से आतंकी हमले के बाद, उस वर्ष इस्लामाबाद में होने वाला सार्क शिखर सम्मेलन निरस्त कर दिया गया था. उसके बाद कोई सार्क शिखर सम्मेलन नहीं हुआ. इसके विपरीत, बिम्सटेक सार्क के राजनीतिक गतिरोधों से मुक्त होकर एक अधिक क्रियाशील विकल्प मुहैया करा रहा है. भारत बिम्सटेक को प्राथमिकता देकर सार्क में पाकिस्तान की रुकावटों के बिना क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत कर सकता है.

इस तरह से देखें तो भारत की एक्ट ईस्ट नीति के साथ बिम्सटेक सहज रूप से जुड़ा हुआ है. इससे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ बेहतर संपर्क की सुविधा मिलती है. इसके साथ ही भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना जैसी पहल भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों से जोड़ने में सहायक हैं. इससे इन क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है.

बिम्सटेक क्षेत्र की बात करें तो इसमें 1.73 बिलियन लोग रहते हैं और इसका संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद लगभग 5.2 ट्रिलियन डॉलर है. यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसके बावजूद, अंतर-क्षेत्रीय व्यापार कम है. इस तरह से सदस्य देशों के बीच कुल व्यापार मात्र 6 प्रतिशत है. भारत आर्थिक एकीकरण की अप्रयुक्त क्षमता को पहचानता है और क्षेत्र के भीतर व्यापार और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए बिम्सटेक मुक्त व्यापार क्षेत्र के संचालन की पैरवी कर रहा है.

व्यापक बेल्ट एंड रोड पहल ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में चीन के प्रभाव को बढ़ाया है. वहीं भारत मजबूत बिम्सटेक को एक रणनीतिक संगठन के रूप में देख रहा है. इस तरह से भारत, आपसी सम्मान और साझा समृद्धि के आधार पर क्षेत्रीय सहयोग का एक वैकल्पिक मॉडल पेश कर रहा है. अपनी इस पहले के जरिए भारत बुनियादी ढांचे में निवेश करके एक क्षेत्रीय नेता के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करना चाहता है. साथ ही क्षेत्र में संतुलित शक्ति गतिशीलता को बढ़ावा देना चाहता है.

इसी तरह से बिम्सटेक आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराध और आपदा प्रबंधन सहित साझा सुरक्षा चिंताओं को लेकर एक मंच प्रदान करता है. देखा जाए तो भारत क्षेत्रीय सुरक्षा वास्तुकला को बढ़ाने के लिए संयुक्त अभ्यास और सहयोगी ढांचे का प्रस्ताव करने में सक्रिय रहा है. इससे सदस्य देशों के बीच विश्वास और स्थिरता को बढ़ावा मिल रहा है.

इसी कड़ी में देखें तो मजूमदार ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा था, हम सहयोग के सुरक्षा स्तंभ का नेतृत्व करते हैं और इसका फोकस आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने और क्षेत्र में हिंसक उग्रवाद को रोकने के लिए मजबूत कानूनी ढांचे की स्थापना पर है. इसके साथ ही इसके जरिए एक सहकारी तंत्र स्थापित करना है जो सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच घनिष्ठ सहयोग को सरल और सुविधाजनक बनाएगा.

बंगाल की खाड़ी क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है जो सहयोगी ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भी बड़ा मौका देता है. ऐसे में भारत बिम्सटेक ढांचे के भीतर अक्षय ऊर्जा और सतत विकास में व्यापक योगदान देने में उत्सुक है. इसका उद्देश्य क्षेत्र के लिए ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना है. मजूमदार ने कहा कि, बिम्सटेक क्षेत्र के लिए ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा संपर्क भी हमारी प्राथमिकता है. हम बेंगलुरू में ऊर्जा केंद्र की मेजबानी करते हैं. यह ऊर्जा केंद्र पीएम मोदी के एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड दृष्टिकोण के अनुरूप बिम्सटेक क्षेत्रीय ग्रिड इंटरकनेक्शन बनाने की दिशा में काम का समन्वय करता है. इस तरह से बिम्सटेक में भारत का पर्याप्त निवेश क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और सामूहिक सुरक्षा को बढ़ाने के रणनीतिक प्रयास को दर्शा रहा है. इसके जरिए बिम्सटेक को मजबूत करके न केवल अपने भू-राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाता है, बल्कि एक स्थिर, समृद्ध और परस्पर जुड़े बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के निर्माण में भी योगदान दे रहा है.

कभी अन्नदाता तो कभी आमलोगों को रुलाता टमाटर

टमाटर उत्पादक किसान तुड़वाई या मण्डी तक पहुंचाने की लागत भी नहीं मिलने से किसान परेशान है तो किसान इन हालातों को देखते हुए टमाटर के भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने और सरकारी खरीद की दबी जुवान से बात करने लगे हैं। खैर यह तो अलग बात हुई पर कहीं ना कहीं सरकार को भी साल दर साल होने वाले ऐसे हालातों को देखते हुए किसानों और आमलोगों के हित का रोडमेप बनाना ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सड़कों पर टमाटर बिखरे मिलते हैं तब भी सरकार की साख प्रभावित होती है तो जब टमाटर के भाव आसमान छूने लगते हैं तब भी सरकार की साख पर सीधा सीधा असर पड़ता है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यह कैसी विडंबना है कि टमाटर की खेती करने वाले काश्तकारों को आज टमाटर की लागत तो दूर तुड़वाई के पैसे भी नहीं मिल पा रहे हैं। मध्य प्रदेश की मण्डियों से आ रहे समाचार केवल मध्यप्रदेश के टमाटर उत्पादक किसानों की ही पीड़ा व्यक्त नहीं कर रहे अपितु देश की अधिकांष मण्डियों में टमाटर के भाव औंधे मुंह गिर गए हैं। कुछ समय पहले ही गृहणियों की रसोई में टमाटर का तड़का मुश्किल हो गया था और टमाटर के खुदरा भाव 200 रु. प्रति किलो को छू गए थे आज वहीं टमाटर देश की किसी किसी मण्डी में तो एक रु. प्रति किलो से भी कम में बोला जा रहा है। ऐसे में किसान अपनी बदनसीबी के आंसू बहाते हुए सड़कों पर फेंकने, पशुओं को खिलाने या मण्डियों में बिखेरने को मजबूर हो रहे हैं। आज गली मौहल्ले में फेरी लगाकर बेचने वाले सब्जी विक्रेता ही 10 से 15 रु. किलों में टमाटर बेच रहे हैं। खुदरा में टमाटरों के भाव कम होने से आम नागरिकों को तो तात्कालीक फायदा हो रहा है पर उत्पादक किसान अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। यह केवल इस बार की ही समस्या नहीं है अपितु प्रतिवर्ष इस तरह के हालातों से किसानों को दो चार होना पड़ता है। देखा जाएं तो टमाटर ना कोई से दोस्ती और ना कोई से प्रेम वाली कहावत को चरितार्थ करता रहा है। साल में मौका मिलने पर पहले आमनागरिकों को रुलाता है तो फिर आमलोगों को थोड़ी राहत देते हुए उत्पादक काश्तकारों को रुलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। लगभग यही स्थिति प्याज की कई सालों से चली आ रही है। जहां तक टमाटर के उत्पादन की बात है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक टमाटर उत्पादन करने वाला देश है। टमाटर के उत्पादन में भी चीन पहले पायदान पर है तो तुर्की, अमेरिका, मिस्र तीसरे, चौथे और पांचवें पायदान पर है। कहने को तो यह कहा जाता है कि टमाटर का उद्गम देश दक्षिणी अमेरिका, पश्चिमी तटीय प्रदेश माना जाता है। मैक्सिको से टमाटर सारी दुनिया में पहुंचा है। टमाटर धीरे धीरे रसोई का प्रमुख उपयोगी बन गया। यह भी माना जाता है कि 16 वीं शताब्दी में पुर्तगाली खोजकर्ताओं के साथ टमाटर ने हमारे देश में प्रवेश किया और आज यह घर घर की जरुरत बन गया। इसे विलायती भंटा या विलायती बैंगन भी कह कर पुकारा जाता रहा है। छत्तीसगढ़ के जशपुर टमाटर देश की सबसे बड़ी मण्डी मानी जाती है तो आंध्र प्रदेश टमाटर का सर्वाधिक उत्पादक प्रदेश माना जाता है। वैसे टमाटर की पैदावार समूचे देश में होती है और टमाटर के सहउत्पाद खासतौर से टमाटर कैचअप, टमाटर सॉस, टमाटर सूप आदि से कंपनियां बारे न्यारे कर रही हैं। जहां तक टमाटर की गणित समझने का सवाल उठता है विशेषज्ञों का मानना है कि टमाटर की खेती में काश्तकार की एक से दो लाख रु. तक की लागत प्रति एकड आती है और यह भी माना जाता है कि सामान्य परिस्थितियों में 400 से 420 क्विंटल टमाटर की पैदावार काश्तकार प्रति एकड़ तक ले लेते है। अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक बरसात और ओलावृष्टि से सबसे अधिक टमाटर की फसल प्रभावित होती है। कीट प्रकोप के कारण भी टमाटर की पैदावार पर सीध असर पड़ता है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि जब टमाटर की फसल तैयार होकर बाजार में आती है तो टमाटर की भावों में तेजी से गिरावट आने लगती है। इसका व्यापारी दोहरा लाभ उठाते हैं। एक तो ज्यादा से ज्यादा टमाटरों की खरीद कर निजी कोल्ड स्टोरेज में जमा कर देते हैं और मौके बेमौके बाजार में कृतिम अभाव पैदा कर दोहरा लाभ कमा लेते हैं। इसके अलावा बड़ी मात्रा में टमाटर के सहउत्पाद तैयार कर ने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बुवाई से पहले ही काश्तकारों से सौदा कर लाभ उठाती है। खैर यह विषयांतर होगा।

टमाटर उत्पादक किसान तुड़वाई या मण्डी तक पहुंचाने की लागत भी नहीं मिलने से किसान परेशान है तो किसान इन हालातों को देखते हुए टमाटर के भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने और सरकारी खरीद की दबी जुवान से बात करने लगे हैं। खैर यह तो अलग बात हुई पर कहीं ना कहीं सरकार को भी साल दर साल होने वाले ऐसे हालातों को देखते हुए किसानों और आमलोगों के हित का रोडमेप बनाना ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सड़कों पर टमाटर बिखरे मिलते हैं तब भी सरकार की साख प्रभावित होती है तो जब टमाटर के भाव आसमान छूने लगते हैं तब भी सरकार की साख पर सीधा असर पड़ता है। राजनीतिज्ञ भूले नहीं होंगे प्याज के भावों में उतार-चढ़ाव का असर सरकारों के आने और जाने से जुड़ा रह चुका है। सवाल यह है कि सरकार को टमाटर या इसी तरह की जल्द खराब होने वाले उत्पादों के खरीद और एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए कोल्ड स्टोरेज और कोल्ड स्टोरेज युक्त परिवहन वाहनों की संख्या बढ़ानी होगी। सरकार ने भले ही किसानों के उत्पादों को लाने ले जाने के लिए ट्रेन सेवा शुरु कर दी है पर अभी इस दिशा में तेजी से काम करने की आवश्यकता है। देश में फूड पार्क बनाने की दिशा में तेजी लानी होगी। सबसे ज्यादा जरुरी सरकार को तत्काल बाजार हस्तक्षेप की और ध्यान देना होगा। एक विंग ऐसी होनी चाहिए कि जो बाजार में मांग और उपलब्धता पर नजर रखे और समय रहते काश्तकारों के लिए जब जरुरत हो तब और आमलोगों के लिए जब जरुरत हो तब कदम उठाएं ताकि किसान, मण्डी और आमलोगों के हितों की रक्षा की जा सके। अब तो यह भी साफ हो गया है कि बाजार में कब अधिक माल आयेगा तो कब किल्लत वाल स्थिति होगी। जब सब कुछ सामने है तो दीर्घकालीन नीति बनाकर दोनों के हितों को ध्यान में रखना होगा।

बिना किसी डिग्री के भी इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

आज का समय स्किल का है और इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास किसी चीज की डिग्री हो ही। अगर आप ज्यादा पढ़ाई नहीं की हैं, तो भी आप आगे बताए गए क्षेत्रों में अपना करियर चुन सकती हैं।

आजकल स्किल का दौर है। इसमें बिना डिग्री के भी करियर बनाने के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं। जरूरी नहीं कि डिग्री हमेशा सफल करियर की ही गारंटी हो। ये पहले का समय था जब बिना नॉलेज वालों को भी डिग्री के बल बूते पर नौकरी मिल जाती है। हालांकि आज के समय में ऐसा नहीं है। जिस भी व्यक्ति के पास किसी तरह का कोई भी स्किल हो तो आज वह अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। जी हां, अब कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां आप बिना डिग्री के भी सफल हो सकते हैं। इसके लिए हमने यहां पर कुछ क्षेत्रों की सूची तैयार की है, जिसके जरिए बिना डिग्री के भी करियर बनाया जा सकता है।

फोटोग्राफी में करियर?

यदि आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो आप इसे पेशेवर रूप से भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो इ स्किल को और बेहतर बनाने के लिए आप ऑनलाइन कोर्स या वर्कशॉप के माध्यम से फोटोग्राफी सीख सकते हैं। इसके बाद बतौर फोटोग्राफर आप कहीं भी काम कर सकते हैं। आज के समय में तो लोग हर छोटी से छोटी फंक्शन की भी शूटिंग कराते हैं। ऐसे मौके पर आपकी स्किल काम आ सकती है। इसके लिए आपको अच्छी पेमेंट भी मिल सकती है। आप चाहें तो धीरे-धीरे करके अपनी स्टूडियो भी ओपन कर सकते हैं।

एक्टिंग में बनाएं करियर?

अगर आपको एक्टिंग करने का शौक है, तो आप अपने टैलेंट को सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचा सकती हैं। इससे आप इंफ्लूएंसर की तरफ अपना रुख कर सकती हैं। आपको व्यूअर्स पसंद करेंगे, तो आपके फॉलोअर्स बढ़ेंगे। साथ ही, आपको सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म से फिर पेमेंट आने भी शुरू हो सकते हैं। इसके अलावा, आप घर बैठे एक्टिंग सिखाने की क्लासेस भी शुरू कर सकती हैं।

पेंटिंग में बनाएं करियर

अगर आपके अंदर पेंटिंग की स्किल है, तो आप इसमें बेहतर करियर बना सकती हैं। खास बात यह है कि इसके लिए आपको किसी डिग्री की भी आवश्यकता नहीं होगी। आप अपनी पेंटिंग बनाकर बेच सकती हैं। आपकी अच्छी पेंटिग्स लाखों-करोड़ो रुपए में भी बिक सकती हैं। इससे आपको अपना आर्ट निखारने का मौका भी मिलेगा। इसके अलावा, आप चाहें तो ऑनलाइन या ऑफलाइन पेंटिंग लर्निंग क्लासेस भी ले सकती हैं। ऑफलाइन क्लास में आपको महीने के हिसाब से पैसे मिलेंगे। वहीं, ऑनलाइन में भी आप पेड क्लासेस ले सकती हैं। इससे आपको डबस फायदा हो सकता है।

पाना चाहते हैं सरकारी नौकरी ...तो भारत में होने वाली इन परीक्षाओं की करें तैयारी

सरकारी नौकरी की चाहत भारत में हर कोई रखता है। लोग सालों साल इनकी तैयारियों में लगे रहते हैं। सरकारी नौकरी पाने के बाद मानो लोगों के दिन बदल जाते हैं, जिस कारण देश की आबादी के लगभग 80 से 85 प्रतिशत लोग सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे रहते हैं। अगर आप यूपी और बिहार से हैं तब तो सरकारी नौकरी का महत्व आपसे बेहतर कोई नहीं समझता होगा।

जैसा की आपको पता है कि सरकारी नौकरी पाने के लिए आपको कई एग्जाम देने होते हैं, अगर आपने एग्जाम क्वालीफाई किया तभी आप उस नौकरी को पा सकते हैं। आज के आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप किन एग्जाम को देकर सरकारी नौकरी पा सकते हैं।

बैंक पीओ

अगर आप किसी सरकारी बैंक में काम करना चाहते हैं, तब आप बैंक पीओ के एग्जाम के जरिए सरकारी बैंक में काम कर सकते हैं। कुछ साल बैंक में पीओ के पद पर काम करने के बाद आपको असिस्टेंट मैनेजर का पद मिल जाता है, जिसके कुछ समय बाद आपको मैनेजर का पद भी मिल सकता है। इस पेपर को निकालने के लिए आपको इंग्लिश लैंग्वेज, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और रीजनिंग आनी चाहिए। इस पेपर में बैठने से पहले आपको जमकर मैथ्स और रीजनिंग की तैयारी कर लेनी चाहिए।

एसएससी सीजीएल

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लगभग हर छात्र को एसएससी सीजीएल के विषय में जानकारी होती है। यह एग्जाम स्टाफ सेलेक्शन कमीशन द्वारा लिया जाता है, जिसमें मेरिट के हिसाब से अलग-अलग मिनिस्ट्री में सरकारी नौकरी मिलती है। इस परीक्षा में 1 से लेकर 4 टियर होते हैं, एग्जाम क्वालीफाई करने के लिए आपको चारों टियर पास करने होते हैं। एसएससी के पेपर में आपको जनरल अवेयरनेस, रीजनिंग, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड और इंग्लिश कंप्रीहेंशन और मैथ्स के सवाल भर-भरकर मिलते हैं।

आरबीआई ग्रेड बी

आरबीआई को भारत की एपेक्स बैंक कहा जाता है, जो अन्य सरकारी बैंकों को सुचारू रूप से चलाने का काम करती है। आप आरबीआई ग्रेड बी का एक्जाम देकर भी सरकारी नौकरी पा सकते हैं। इस एग्जाम को निकालने के लिए आपको रीजनिंग, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, इंग्लिश लैंग्वेज और जनरल अवेयरनेस को अच्छे से तैयार करना होता है। अगर आप यह एग्जाम क्लियर करते हैं तो आपको आरबीआई ऑफिसर के पद पर काम करने का मौका मिलता है, जिसके बाद आप प्रमोशन पाकर डिप्टी गवर्नर भी बन सकते हैं। इस नौकरी में सबसे ऊंची पोस्ट गवर्नर की होती है, जहां तक बहुत कम लोग पहुंच पाते हैं।

सीडीएस

यह एक्जाम यूपीएससी द्वारा ही लिया जाता है। अगर आप आर्मी में ऊंचे पदों पर जाना चाहते हैं तो इस एग्जाम को क्वालीफाई करके जा सकते हैं। इस एग्जाम को पास करने के बाद आप इंडियन मिलिट्री अकादमी, इंडियन नेवल अकादमी, ऑफीसर्स ट्रेनिंग अकादमी और इंडियन एयर फोर्स अकादमी में जा सकते हैं। इस एग्जाम के लिए आपको इंग्लिश, जनरल नॉलेज और एलिमेंट्री मैथ की अच्छी नॉलेज होनी चाहिए।

स्टेट पीसीएस

स्टेट पीसीएस का सिलेबस यूपीएससी से थोड़ा सा कम मुश्किल होता है, तो अगर आप यूपीएससी की तैयारी करते हैं तो इस परीक्षा में भी बैठ सकते हैं। इस परीक्षा को स्टेट सर्विस कमीशन के द्वारा कराया जाता है, जिसमें हर राज्य का एग्जाम पैटर्न अलग-अलग होते हैं। बाकी जानकारी के लिए आप किसी भी राज्य की स्टेट सर्विस कमीशन की ऑफिशियल साइट पर भी जा सकते हैं।

सीएपीएफ

आपको बता दें की यह एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है, जिसे क्वालीफाई करने के बाद आप अलग-अलग आर्मी फोर्स में जा सकते हैं। इस एग्जाम से आप सीधे असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर जाते हैं।

एलआईसी

एलआईसी का नाम तो हम सभी ने सुना है, आप इसका एग्जाम क्वालीफाई करके भी सरकारी नौकरी पा सकते हैं। यह एक नेशनल लेवल एग्जाम होता है, जिसे पास करने के बाद आप एलआईसी में ऊंचे पदों पर काम कर सकते हैं। इस परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं के जैसा ही होता है, इसलिए अगर आप किसी और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहें हैं तो इसके इग्जाम में भी बैठ सकते हैं।

यूजीसी नेट

अगर आप शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी नौकरी करना चाहते हैं, तो आपको यूजीसी नेट की परीक्षा देनी होगी। यूजीसी नेट एग्जाम क्वालीफाई करने के बाद आपको आगे की रीसर्च की फंडिंग भी की जाती है। ज्यादा जानकारी के लिए आप यूजीसी की साइट पर जाकर भी चेक कर सकते हैं।

एक साथ दो इंटरव्यू क्लीयर कर लिए हैं, तो एक जॉब को इस तरह करें सेलेक्ट

अगर आपने जॉब के लिए कई जगह इंटरव्यू दिया था और आपने दो इंटरव्यू क्लीयर कर लिए हैं। तो ऐसे में आप उनमें से किसी एक जॉब को इन टिप्स को अपनाकर सलेक्ट करें।

जीवन में तरक्की पाने के लिए एक अच्छी नौकरी पाने की इच्छा तो हम सभी की होती है। इसलिए, हम अलग-अलग कंपनियों में जॉब के लिए इंटरव्यू देते हैं। अक्सर हम सभी सिर्फ एक कंपनी में रिज्यूमे नहीं देते हैं, बल्कि हर अच्छी कंपनी में काम करने के लिए अवसर तलाश करते हैं। इंटरव्यू देने के बाद उसके रिप्लाई को आने में कुछ वक्त लग जाता है। अगर आप इंटरव्यू क्लीयर कर लेते हैं तो यकीनन बेहद खुशी होती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर, अगर एक साथ दो कंपनियों से जॉब ऑफर होती है तो यह स्थिति थोड़ी दुविधाजनक हो जाती है। इस स्थिति में यकीनन आपके लिए यह तय कर पाना मुश्किल होता है कि आप किस जॉब ऑफर को एक्सेप्ट करें और किसे रिजेक्ट। हो सकता है कि आप भी ऐसी ही किसी स्थिति में उलझी हुई हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने लिए एक परफेक्ट जॉब को सलेक्ट कर सकती हैं-

लॉन्ग टर्म के बारे में सोचें

जब आप किसी जॉब ऑफर को हां कहने जा रही हैं तो ऐसे में आपको अपने लॉन्ग टर्म करियर के बारे में सोचना चाहिए। यूं तो जॉब को जल्दी भी स्विच किया जा सकता है, लेकिन जब आप एक कंपनी में जुड़ते हैं तो लंबे समय तक काम करना काफी अच्छा रहता है। इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज भी बेहतर होती है। इसलिए, किसी भी जॉब को सलेक्ट करने से पहले आपको यह देखना चाहिए कि लॉन्ग टर्म में आपको इस जॉब में आगे बढ़ने के कितने अवसर मिलेंगे।

काम और पर्सनल लाइफ पर करें गौर

हर जॉब की अपनी अलग जरूरतें होती हैं और इसलिए जब आप किसी जॉब को सलेक्ट करें तो यह देखें कि आपका काम आपकी पर्सनल लाइफ को किस तरह इफेक्ट कर रहा है। यकीनन आप अपने करियर में बेहतर ग्रोथ चाहती हैं लेकिन इसके लिए आपकी पर्सनल लाइफ डिस्टर्ब नहीं होनी चाहिए। इसलिए, जब भी आप किसी जॉब ऑफर को सलेक्ट करें तो यह अवश्य देखें कि आपकी ऑफिस टाइमिंग, काम व वर्क प्रोफाइल आपके पर्सनल लाइफ पर किस तरह असर डालेगा।

सिर्फ सैलरी पर ही ध्यान ना दें

जब हमे दो जॉब के ऑफर मिलते हैं तो यकीनन हमारा सबसे पहला फोकस सैलरी पर ही होता है। यकीनन सैलरी किसी भी जॉब सलेक्शन में एक अहम् भूमिका निभाती है। लेकिन सिर्फ सैलरी पर ही फोकस करके आप एक गलत डिसिजन ले सकती हैं। किसी भी जॉब को सलेक्ट करते समय आपको अपने काम, ऑफिस टाइमिंग, ऑफिस से घर की दूरी, पिकअप और ड्रॉप की फैसिलिटी जैसी अन्य कई छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें। इससे आपके लिए काम की जगह पर अधिक कंफर्टेबल फील होगा।

ऑफिस के माहौल को जानने का प्रयास करें

यूं तो किसी भी ऑफिस के माहौल के बारे में आप तभी जान पाती हैं, जब आप उस ऑफिस में काम करती हैं। लेकिन अगर आपको एक साथ दो जगह से जॉब ऑफर हुई है तो कोशिश करें कि आप उन दोनों कंपनी व ऑफिस के माहौल को जानने का प्रयास करें। मसलन, अगर आपका कोई जानकार उस ऑफिस में काम कर चुका है तो आप उनसे ऑफिस की खूबियों व खामियों के बारे में जानने की कोशिश करें। इसके अलावा, आप यह देखें कि उस ऑफिस में ज्वॉइन करने के बाद लोग कितने लंबे समय तक वहां पर काम करते हैं या फिर उस कंपनी में लोग जल्दी-जल्दी जॉब छोड़ते हैं। इस तरह आपको यह समझने में आसानी होगी कि उस ऑफिस में काम करना आपके लिए कितना सही है। इससे आप एक अधिक सटीक निर्णय ले पाएंगी।

ऑनलाइन जॉब ढूंढ रहे हैं तो हो जाएं सावधान...

अक्सर लोग नौकरी न मिलने पर ऐसे स्कैमर के चक्कर में फंस जाते हैं जो आपके सपनों की नौकरी को दिलाने का वादा करते हैं। हाल ही में ऐसे कई स्कैम हुए हैं जिसमें नौकरी के लालच में लोग बुरी तरह फंस चुके हैं।

आजकल लोग नौकरी के लिए ऑनलाइन कई कंपनियों में अप्लाई करते हैं। ऐसे में लोगों के साथ स्कैम बहुत अधिक होने की संभावना होती है। जॉब देने की आड़ में स्कैमर्स लोगों से लाखों पैसे ले लेते हैं और लोग उनके जाल में बुरी तरह फंस जाते हैं। सोशल मीडिया की मदद से किसी कंपनी भी में अप्लाई करने पर स्कैम भी बहुत अधिक हो रहे हैं। तो चलिए जानते हैं कि आप कैसे इन ऑनलाइन स्कैम से बच सकती हैं।

सोशल मीडिया पर करते हैं पोस्ट

इंस्टाग्राम पर या फेसबुक ऐसे कई पेज हैं जो जॉब वेकेंसी के बारे में पोस्ट करते रहते हैं। फेक अकाउंट जब नौकरी की वेकेंसी पोस्ट करते हैं तो वह एक फॉर्म की लिंक को भी अटैच कर देते हैं। इसमें वह निर्देशों का पालन करते हुए डिटेल्स को फिल करने के लिए जानकारी भी देते हैं। उसके बाद ऑनलाइन भुगतान के लिए भी कहा जाता है। ऐसे में आपको सतर्क रहना बहुत जरूरी है। जब भी आप ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फॉर्म भरें तो आपको कंपनी के वेबसाइट पर जाकर यह जरूर चेक करना चाहिए कि कंपनी में कोई वेकेंसी निकली भी है या नहीं। इसके अलावा आपको फॉर्म भरने पर अपने बैंक की डिटेल्स और पैसे का भुगतान नहीं करना चाहिए।

विदेश में नौकरी का लालच

देश में नौकरी के अलावा कई बार लोग विदेशों में भी नौकरी लेने के लालच में बुरी तरह फंस जाते हैं। जालसाज लोगों को पैसे लेकर विदेशों में नौकरी करने के लिए भेज देते हैं जहां उन्हें बंधक तक बना लिया जाता है। ऐसे में नौकरी पाने के लिए किसी भी अनजान लोगों के झांसे में ना आएं और साथ ही अच्छे से जॉब के बारे में चेक करने के बाद ही कोई कदम उठाएं।

कैसे रहें सुरक्षित?

जब सोशल मीडिया पर कोई फेक जॉब पर पोस्ट शेयर की जाती है तो स्कैमर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्लिकबेट हेडलाइन्स से लोगों को लुभाते हैं और पैसा लेकर गायब हो जाते हैं। आपको कंपनी का नाम ऑनलाइन सर्च भी देखना चाहिए और उस कंपनी से जुड़े हुए कॉन्टैक्ट मिले तो कॉल करके वेकेंसी के बारे में जरूर पूछना चाहिए। जब भी आप जॉब पोस्ट को देखें तो उसमें कोई ग्रामेटिकल मिस्टेक अगर आपको नजर आती है तो हो सकता है कि वह पोस्ट फेक हो क्योंकि अक्सर स्कैमर्स ज्यादा पढ़े नहीं होते और अंग्रेजी लिखने में गलती भी कर देते हैं इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखते हुए ही सोशल मीडिया पर जॉब के लिए अप्लाई करना चाहिए।

गौरी खान ने 11.61 करोड़ में बेचा अपना लग्जरी फ्लैट

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान एक कामयाब बिजनेसवुमन हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई के शानदार दादर वेस्ट इलाके में अपना लग्जरी फ्लैट 11.61 करोड़ रुपये में बेच दिया।

इतने करोड़ का हुआ मुनाफा

खास बात ये है कि इस डील से उन्हें ढाई साल में तीन करोड़ 10 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गौरी ने ये प्रॉपर्टी मार्च 2025 में बेची। ये फ्लैट मुंबई के दादर वेस्ट में कोहिनूर अल्टिसिमो बिल्डिंग में है, जिसे कोहिनूर सीटीएनएल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया है। ये एक तैयार रिहायशी प्रोजेक्ट है, जिसमें 2.5 बीएचके, थ्री बीएचके और 3.5 बीएचके फ्लैट्स उपलब्ध हैं।

37 फीसदी का हुआ मुनाफा

गौरी ने इस फ्लैट को अगस्त 2022 में आठ करोड़ 50 लाख रुपये में खरीदा था। ढाई साल में इसकी कीमत 37 फीसदी बढ़ गई और अब ये 11.61 करोड़ रुपये में बिका। इस डील से गौरी की बिजनेस समझ साफ झलकती है।

मन्नत में बदलाव का दौर जारी

ये डील तब हुई है जब शाहरुख और गौरी अपने मशहूर बांद्रा वाले घर मन्नत को नया रूप देने में जुटे हैं। खबर है कि मन्नत की मरम्मत और विस्तार का काम चल रहा है, जिसके चलते शाहरुख का परिवार अस्थायी तौर पर पाली हिल के शानदार डुप्लेक्स फ्लैट्स में शिफ्ट हो गया है।

पिछले साल ली थी मंजूरी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मन्नत का ये नवीकरण लंबे समय तक चलेगा। गौरी ने नवंबर 2024 में महाराष्ट्र कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी से मंजूरी लेकर मन्नत के एनेक्सी में दो अतिरिक्त मंजिलें जोड़ने का प्लान बनाया था। अब ये बदलाव मन्नत को और भव्य बनाने की तैयारी में है।

आर बाल्की की नई फिल्म में काम करेंगी कृति सेनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को आखिरी बार 2024 की फिल्म दो पत्ती में देखा गया था। दर्शकों को बेसब्री से कृति की नई फिल्म का इंतजार है। अब कृति को हाल ही में मुंबई के बांद्रा में फिल्म निर्माता आर बाल्की के ऑफिस में देखा गया। कृति और निर्देशक की इस मुलाकात से इन अटकलों को हवा मिलीं कि जल्द ही वे दोनों साथ में किसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं।

आर बाल्की के साथ करेंगी नई फिल्म पर काम?

नए प्रोजेक्ट की अफवाहों को हवा देने के अलावा कृति के आर बाल्की के ऑफिस जाने के दौरान अपने लुक से भी सुर्खियां बटोरीं। इस दौरान वह अपने फैशनेबल लुक में नजर आईं। यूजर्स को उम्मीद है कि आर बाल्की और कृति साथ में काम कर सकते हैं। हालांकि, इस बारे में न तो आर बाल्की की ओर से और न ही कृति सेनन की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी सामने आई है।

कृति का लुक

कृति सेनन ने इस दौरान पैपराजी का अभिवादन किया, लेकिन अभिनेत्री ने तस्वीरें लेने के लिए रुकी नहीं और जल्दी में थीं। कृति को बैगी डेनिम्स, मैचिंग हैंडबैग और गहरे रंग के सनग्लासेस के साथ ग्रे स्लीवलेस टॉप में देखा गया। इससे पहले द क्रू के एक साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए कृति ने अपने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो शेयर किया था। इसमें वह अपने बालों को छोटा करती हुई दिखाई दे रही थीं।

तेरे इश्क में फिल्म में नजर आएंगी कृति

इस बीच, कृति आनंद एल राय की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह साउथ सुपरस्टार धनुष के साथ अभिनय कर रही हैं। यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। जनवरी में जारी किए गए टीजर में कृति को एक रहस्यमय भूमिका में दिखाया गया था।

नंदमुरी बालकृष्ण की अखंडा 2-तांडवम में हुई विद्या बालन की एंट्री

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु की फिल्म अखंडा के दूसरे पार्ट की घोषणा की जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि अब इस फिल्म में उस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हुई है, जिन्हें आप इस किरदार में खूब पसंद करेंगे।

फिल्म में हुई विद्या बालन की एंट्री

नतासिम्हा नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म अखंड की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी अखंड 2 - थंडवम की शूटिंग में व्यस्त हैं। बोयापति श्रीनु के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से तैयार हो रही है। एक खबर के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को फिल्म में एक अहम किरदार के लिए चुना गया है। कहा जा रहा है कि वह एक राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी। यह बालकृष्ण के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी, इससे पहले वह एनटीआर की बायोपिक में उनके साथ काम कर चुकी हैं। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

महाकुंभ के दौरान शुरू हुई थी फिल्म की शूटिंग

अखंडा का दूसरा पार्ट अखंडा 2 आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया था और महाकुंभ मेले में अखंडा 2- तांडवम के कुछ महत्वपूर्ण एपिसोड शूट किए गए थे। फिल्म अखंडा 2 पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी। इसे हिंदी, अंग्रेजी के अलावा कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में प्रज्ञा जैसवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपीचंद अचंता ने किया है। फिल्म का संगीत थमन ने तैयार किया है। यह फिल्म 25 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लोगों को देखना और सीखना अभिनय को आसान बनाता है

किसी भी किरदार को जीवंत बनाने के लिए सिर्फ डायलॉग्स याद रखना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस दुनिया को समझना भी जरूरी होता है, जिसमें वह किरदार रहता है। खासकर जब कोई कलाकार किसी संस्कृति से जुड़ा किरदार निभा रहा हो, तो उसे गहराई से समझने के लिए बारीकी से लोगों का हावभाव समझना बेहद जरूरी हो जाता है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' में गौरी की भूमिका निभा रहीं ईशा पाठक का मानना है कि अभिनय में वास्तविकता लाने के लिए लोगों को देखना और समझना सबसे उपयोगी कला है। ईशा पाठक बताती हैं कि लोगों का अवलोकन करने से कलाकारों को अपने अभिनय में गहराई लाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, जब हम लोगों को करीब से देखते हैं, तो हमें उनकी बोली, हाव-भाव, आम बोलचाल के शब्द और भावनाएं व्यक्त करने का तरीका समझ में आता है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' एक प्रेरणादायक कहानी है, जो गौरी नाम की बहादुर और विनम्र लड़की के संघर्ष और साहस को दिखाती है। अनचाहे विवाह में बंधकर बुंदेला परिवार की बहू बनने वाली गौरी, अपनी सूझबूझ और आत्मविश्वास से अपनी किस्मत खुद लिखने का फैसला करती है। ईशा पाठक, सावी ठाकुर और स्वाति शाह द्वारा अभिनीत. यह दिल छू लेने वाली कहानी हर सन नियो पर प्रसारित होती है।

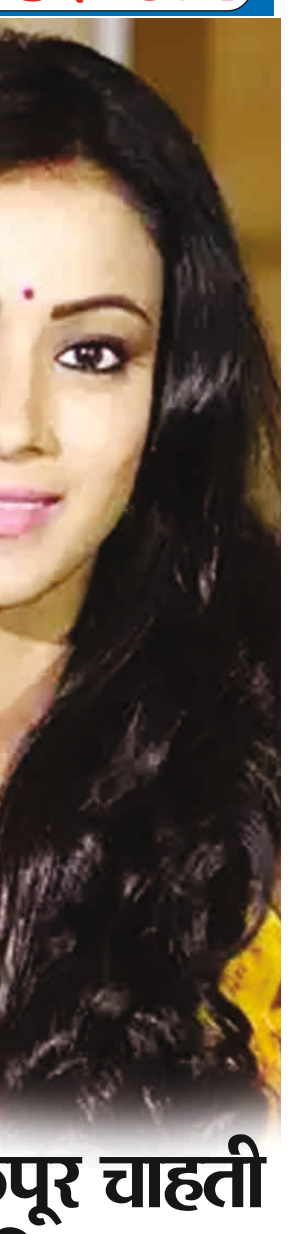

एकता कपूर चाहती तो मेरा करियर खत्म कर सकती थीं

अभिनेत्री बरखा बिष्ट ने हाल ही में अपने और एकता कपूर के विवाद को याद किया। बरखा ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स धारावाहिक छोड़ने के बाद निर्माता एकता कपूर द्वारा मुकदमा दायर किए जाने को याद किया। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि एकता कपूर उनका करियर खत्म कर सकती थीं, लेकिन उन्होंने ऐसा किया नहीं। साथ ही बरखा ने साझा किया कि लंबे समय तक केस लड़ने के बाद भी इस बात का जिक्र उन्होंने अपने घर में नहीं किया।

कानूनी नोटिस से घबरा गई थीं अभिनेत्री

अभिनेत्री ने हाल ही में एक साक्षात्कार में खुलासा किया कि एकता ने उन पर तब मुकदमा दायर किया जब वह सिर्फ 23 साल की थीं। एकता के वकीलों द्वारा उन्हें लगातार फोन करके और कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद वह घबरा गई थीं। सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में बरखा ने कहा, मैंने घर पर किसी को नहीं बताया। मैंने एक वकील किया और केस लड़ा। समय के साथ उन्हें एहसास हुआ कि यह व्यर्थ है। मैं आभारी हूं कि उन्होंने पीछे हटना शुरू कर दिया। उस समय, एकता के पास आपके करियर को बनाने या बिगाड़ने की शक्ति थी। आज भी है। केस लगभग एक साल तक चला और मैंने अपने नए शो की शूटिंग जारी रखी, साथ ही कोर्ट की सुनवाई में भी गई। एकता कपूर पीछे हट गईं बरखा ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार को मुकदमे के बारे में नहीं बताया। अभिनेत्री ने कहा, घर पर लड़ने और मुंबई आने के बाद, आप वापस जाकर शिकायत नहीं कर सकते। मैं जो भी करूंगी, खुद करूंगी के गर्व के साथ आई थी। इसलिए, मुझे इसे खुद ही संभालना पड़ा। एक न्यूकमर के रूप में, मेरा करियर खत्म हो सकता था, लेकिन किसी दैवीय शक्ति की वजह से एकता पीछे हट गईं। अगर वह चाहतीं, तो मेरा करियर खत्म कर सकती थीं।

बरखा बिष्ट का वर्क फ्रंट

बरखा बिष्ट के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज 'पावर ऑफ पांच' में देखा गया था, जिसमें रीवा अरोड़ा, जयवीर जुनेजा, आदित्य अरोड़ा, अनुभा अरोड़ा, बियांका अरोड़ा, यश सहगल और उर्वशी ढोलकिया जैसे कलाकार शामिल हैं। बरखा ने अपना करियर 'कितनी मस्त है जिंदगी' से शुरू किया, इसके बाद वह कई सारे टीवी सीरियल और फिल्मों में नजर आईं।

पुलकित सम्राट ने शुरू किया फिल्म 'राहु केतु' का शूट

अभिनेता पुलकित सम्राट ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपनी नई फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। यह फिल्म अभिनेता के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए उन्हें दोबारा से अपने पसंदीदा को-एक्टर के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। अभिनेता पुलकित सम्राट ने रोमांटिक, कॉमेडी, ड्रामा सभी तरह की फिल्में की हैं। अब वह एक फिल्म 'राहु केतु' का भी हिस्सा बने हैं। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में अभिनेता ने शुरू की है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी पुलकित ने साझा की हैं। इस फिल्म में उनके एक पसंदीदा को-एक्टर भी अभिनय कर रहे हैं।

तस्वीरों संग साझा किया मैसेज

पुलकित सम्राट ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'राहु केतु' फिल्म की शूट शुरू होने की जानकारी दी है। साथ ही फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें उनके साथ कुछ नामी को-एक्टर भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ पुलकित ने कैप्शन में एक मैसेज भी लिखा है, 'कुछ इसे भाग्य कहते हैं, तो कुछ इसे राहु केतु का खेल कहते हैं और ये आपकी जिंदगी में भी जल्द ही प्रवेश करेंगे।' आगे वह लिखते हैं, 'फिल्म की शूटिंग शुरू हुई।' इस फिल्म को विपुल विग निर्देशित कर रहे हैं।

पुरानी फिल्म के को-एक्टर का मिला साथ

फिल्म 'राहु केतु' में पुलकित सम्राट को अपनी पुरानी और हिट फिल्म 'फुकरे' के को-एक्टर वरुण शर्मा के साथ काम करने का मौका मिला है। ये दोनों पहले से काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों पर्दे पर साथ में काफी अच्छा अभिनय करते हैं। इनके अलावा फिल्म में शालिनी पांडे भी हैं।

एक अन्य फिल्म में व्यस्त पुलकित

फिल्म 'राहु केतु' के अलावा पुलकित सम्राट 'ग्लोरी' नाम की फिल्म भी कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए इन दिनों वह काफी मेहनत कर रहे हैं। वह इन दिनों बॉक्सिंग की प्रैक्टिस भी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह एक बॉक्सर का रोल करेंगे।

सिकंदर को लगा एक और झटका, दूसरी फिल्मों से बदले गए शोज

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सिकंदर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। फिल्म ने टिकट खिड़की पर अब तक काफी कम कमाई की है। कई जगहों पर दूसरे फिल्मों से इसके शोज को बदले जाने की खबरें हैं। सलमान खान की फिल्म सिकंदर को लेकर जो उम्मीदें थीं वो बॉक्स ऑफिस पर धरी की धरी रह गईं। 30 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों का वो प्यार नहीं मिला जैसा सलमान की दूसरी फिल्मों को ईद के मौके पर मिल चुका है। फिल्म के बारे में लोगों की प्रतिक्रिया सकारात्मक नहीं है। दूसरे दिन भले ही फिल्म की कमाई में थोड़ी बढ़त दिखी, लेकिन तीसरे दिन का रुझान बता रहा है कि छुट्टियां खत्म होते ही फिल्म का कलेक्शन और नीचे ही जाएगा। इस वजह से सिनेमाघरों ने सिकंदर के शो कम करने शुरू कर दिए हैं और उसकी जगह पुरानी हिट फिल्मों को फिर से लाया जा रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि कई जगहों पर सिकंदर के शो में दर्शक नहीं पहुंच रहे, जिसके चलते उन्हें रद्द करना पड़ा। हालांकि, ट्रेड सूत्रों के हवाले से खबर में बताया है कि मुंबई में कोई शो रद्द होने की खबर नहीं मिली है। पहले दो दिन कुछ शो में दर्शक बहुत कम रहे, लेकिन शो रद्द नहीं हुए। वहीं, सूरत में मल्टीप्लेक्स चलाने वाले कीर्तिभाई टी वाघासिया ने कहा, सोमवार को सुबह नौ बजे और 10 बजे के शो के लिए एक भी टिकट नहीं बिका। मुझे उम्मीद थी कि ईद पर फिल्म चलेगी, लेकिन रिलीज के दिन रविवार को ज्यादा टिकट बिके। सोमवार को शायद फिल्म की खराब बातें तेजी से फैल गईं, इसलिए ऐसा हाल हुआ। कीर्तिभाई ने कहा कि उन्हें सिकंदर के दो रात के शो हटाने पड़े और उनकी जगह गुजराती फिल्में ऑल द बेस्ट पांड्या और उम्बारो लगाईं जो नौ हफ्ते के बाद भी अच्छी चल रही है।

भरतपुर की सेवर सब्जी मंडी में भीषण आग, तीन सिलेंडर फटे, भारी नुकसान

भरतपुर। सेवर स्थित सब्जी मंडी में देर रात अचानक भीषण आग लग गई, जिससे कई दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग इतनी तेजी से फैली कि तीन गैस सिलेंडर फट गए, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

बताया जा रहा है कि आग सबसे पहले चाय और नाश्ते की दुकानों से शुरू हुई और देखते ही देखते आसपास के छप्परों तक पहुंच गई। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट या चूल्हे से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद भरतपुर, नदबई और सिविल डिफेंस की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। भरतपुर के फायरमैन नीरज कुंतल ने बताया कि टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस दौरान चार दमकल मौके पर लगी रहीं, लेकिन तीन फायर टेंडर भी क्षतिग्रस्त हो गए।

इस आग में व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है, क्योंकि सब्जियों और अनाज की दुकानें जलकर खाक हो गईं। गर्मी के कारण आग तेजी से फैली, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की।

राहत और बचाव कार्य अब भी जारी है। प्रशासन आग लगने के कारणों की गहराई से जांच कर रहा है और व्यापारियों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

अपील ~ गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रशासन ने सभी दुकानदारों से सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की सलाह दी है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने सचल लोकअदालत मय मोबाइल वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बीकानेर। जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अतुल कुमार सक्सेना ने मंगलवार को सचल लोक अदालत मय मोबाईल वाहन को न्यायालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि मोबाइल वाहन के माध्यम से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की लोक कल्याणकारी योजनाओं, अभियानों, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालतों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इससे आमजन को योजनाओं, कानून एवं नियमों से संबंधित जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मांडवी राजवी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सेश कुमार, बार अध्यक्ष विवेक शर्मा सहित अधिवक्ता, विभिन्न न्यायालयों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दौसा स्टेशन पर नई रेल सेवा का भव्य स्वागत

दौसा। मथुरा गंगापुर मथुरा नई रेल के दौसा स्टेशन पर पहुंचने पर मंगलवार रात विधायक डीसी बैरवा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ड्राइवर व गार्ड का साफा पहनकर स्वागत किया। भरत राम (ड्राइवर) लोको पायलेट मथुरा व देवेश सैनी सहायक लोको पायलेट, विशेष कुमार मीणा गार्ड, ट्रैन मेनेजर ए के चौहन का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम भांडारेज, उमाशंकर बनियाना, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रुकमणी गुप्ता, रेणु कटारिया आदि ने स्वागत किया। यह गाड़ी मथुरा से चलकर गोवर्धन, डीग, नगर, रामगढ, अलवर, राजगढ, बाँदीकुई, दौसा होते हुए गंगापुर 10~55 पहुचेगी। वापसी में यह गाडी गगापुरसिटी से चलकर मथुरा सुबह 7 बजे पहुचेगी।

जवाहर कला केंद्र में श्री राम के जीवन प्रसंग होंगे कैनवास पर साकार

जयपुर, । जवाहर कला केंद्र की ओर से शनिवार को 10 दिवसीय श्री राम कला महोत्सव का शुभारंभ किया गया। महोत्सव का शुभारंभ शनिवार सुबह 11 बजे चतुर्दिक गैलेरी में हुआ। यह आयोजन अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष में किया जा रहा है। वरिष्ठ चित्रकार संदीप सुमहेन्द्र के क्युरेशन में हो रहे महोत्सव के तहत होने वाले शिविर में 20 वरिष्ठ एवं युवा चित्रकार भाग ले रहे हैं। ये सभी श्री राम के अलग-अलग जीवन प्रसंगों का चित्रण करेंगे। इस दौरान तैयार पेंटिंग्स की 16 से 20 जनवरी तक चतुर्दिक आर्ट गैलेरी में प्रदर्शनी लगाई जायेगी।

वहीं कार्यशाला में राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट्स, राजस्थान यूनिवर्सिटी के दृश्य कला विभाग और निम्स यूनिवर्सिटी के कला विद्यार्थियों ने भी हिस्सा ले रहे हैं। वरिष्ठ चित्रकार सभी विद्यार्थियों को राजस्थान की पारम्परिक चित्रण शैली, रंग संयोजन और कम्पोजिशन की बारीकियां सीखा रहे हैं।

शुभारंभ के अवसर जेकेके के सहायक निदेशक अब्दुल लतीफ उस्ताद, डिप्टी जनरल मैनेजर भरत सिंह, ऑडियो विसुअल ऑफिसर अनिल शर्मा और कंसलटेंट प्रोग्राम मैनेजर डॉ. चन्द्रदीप हाडा उपस्थित रहे।

माधव ऑटिज्म फाउंडेशन द्वारा विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस संपन्न

हैदराबाद, (एजन्सी),

रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई में माधव ऑटिज्म फाउंडेशनके तत्वावधान में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एमसीआरएचआरडीआईटी के महानिदेशक एवं ईडी विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल , किम्स के न्यूरोलॉजी के प्रधान डॉ. एस. के.जायसवाल, एल.एन शर्मा, गूगल की सदस्य रूपाश्री भूतापति, कैफे नीलोफर ग्रुप के ए. बाबू राव, सिकंदराबाद छावनी बोर्ड की सिविलियन नामित सदस्य बी. नर्मदा मल्लिकार्जुन, होप अस्पताल के मुख्य शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पी. मदन मोहन राव, डब्ल्यूआईआरसी आईसीएआई की क्षेत्रीय परिषद सदस्य सीए पिंकी केड़िया, भाजपा तेलंगाना राज्य उपाध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) अल्का मनोज, फाउंडेशन की अध्यक्ष सुमन सराफ, सचिव डॉ. दिलीप पंसारी उपस्थित थे। अवसर पर ऑटिज्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए शशि व तोहफिक का सम्मान किया गया। अतिथियाें ने अभिभावकों को ऑटिज्म के बारे में न केवल जागरूक किया गया, बल्कि बच्चों को ऑटिज्म से बचाने के लिए उपाय भी बताये गये । कार्यक्रम में श्री पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, अग्रवाल समाज मलकपेट के अध्यक्ष पंकज संघी तथा विवीध सामाजिक संस्था के प्रतिनीधी उपस्थीत थे।

अग्रवाल समाज मलकपेट द्वारा मासिक अन्नाप्रसाद

हैदराबाद (एजेंसी),

अग्रवाल समाज मलकपेट के तत्वाधान में प्रतिमाह अनुसार मासिक अन्नाप्रसाद का आयोजन गंज स्थित अग्रसेन हॉल के पास किया गया, जिसमें 600 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया. अवसर पर शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल,मानद मंत्री प्रदीप बंसल,सह मंत्री शैलेश अग्रवाल ,कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, चंद्रमोहन अग्रवाल,श्याम सुंदर अग्रवाल, सुरेश पटवारी, हरिश्चंद्र बजाज, सुरेश गोयल,शुभम गोयल ने अपनी सेवा प्रदान करी.

राज्य सेवा के 21 अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई : 18 प्रकरणों का निस्तारण, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी स्वीकृति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विचाराधीन 18 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए कुल 21 अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की है। शर्मा ने भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 के तहत कुल 5 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति विस्तारीद्ध की तथा 4 अधिकारियों के विरूद्ध धारा 17-ए में भ्रष्टाचार के आरोपों की विस्तृत जॉच/अनुसंधान की पूर्वानुमति भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को प्रदान की। सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुराने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 4 अधिकारियों को पेंशन रोके जाने के दण्ड से दण्डित किया गया, जिसमें से 2 प्रकरणों में शत-प्रतिशत पेंशन रोके जाने का निर्णय किया गया। इसी प्रकार सेवारत अधिकारियों के 5 प्रकरणों में 7 अधिकारियों के विरूद्ध विभिन्न आरोपों के प्रमाणित पाये जाने से संबंधित अधिकारियों की वार्षिक वेतन वृद्धियां रोके जाने के दण्ड से दण्डित किये जाने का निर्णय किया। 2 प्रकरणों में सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध प्रमाणित आरोपो के जॉच निष्कर्ष को अनुमोदित किया गया।

अलवर साइबर सेल पर लॉ स्टूडेंट से मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने किया इनकार

अलवर । राजस्थान के अलवर जिले में साइबर सेल के पुलिसकर्मियों पर एक लॉ स्टूडेंट के साथ मारपीट, छेड़छाड़ और मोबाइल छीनने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता का दावा है कि उसने अपनी शिकायत को लेकर कई बार पुलिस के पास गुहार लगाई, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई।

पीड़िता के मुताबिक किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाए थे। इन अकाउंट्स को हटवाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग लेकर वह साइबर सेल पहुंची थी। लेकिन उसका आरोप है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसके साथ मारपीट की, अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और छेड़छाड़ की। इतना ही नहीं, पुलिसकर्मियों ने उसका मोबाइल छीन लिया और उसे धमकाने की कोशिश की। पीड़िता के मुताबिक, जब स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो वह अतिरिक्त जिला कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची। लेकिन वहां भी उसे एक घंटे तक इंतजार कराया गया और कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब पीड़िता ने उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है और साइबर सेल के दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, साइबर सेल थाने की इंचार्ज पुलिस उपाधीक्षक शालिनी बजाज ने इन आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि ऐसा कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं आया है।

उन्होंने बताया कि लॉ स्टूडेंट अपनी शिकायत लेकर आई थी, जिसमें उसके नंबर से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की गई थी। इस मामले में मालाखेड़ा थाने में मुकदमा दर्ज है और जांच जारी है।

बजाज के अनुसार, साइबर थाने पर पीड़िता के आने के दौरान महिला कांस्टेबल मौजूद थी और उसे समझाया गया। लेकिन वह एक ही मामले में दोबारा एफआईआर दर्ज कराने की जिद पर अड़ी थी, जिसके बाद उसे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के पास भेजा गया।

झुंझुनूं में 16 और 17 अप्रेल को होगा बाबा गंगाराम मंदिर का स्वर्ण जयंती समारोह

मंदिर में अनूप जलोटा भजन सुनाएंगे। नासिक का प्रसिद्ध ढोल आएगा। बंगाल के कारीगर मंदिर को सजा रहे हैं। त्रिपुरा के बेंत से सजावट की जा रही है।

झुंझुनू। राजस्थान के झुंझुनूं शहर में बाबा गंगाराम धाम, पंचदेव मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 16 और 17 अप्रेल 2025 को स्वर्ण जयंती समारोह मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां जोरें पर चल रही है। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे पुष्पों से सजाने के लिए बंगाल के कारीगर आ गए हैं। इस बार त्रिपुरा के बांस एवं बेंत से बारीकी से तैयार की गई विभिन्न कलाकृतियों से मंदिर को सजाया जा रहा है। पंचदेव मंदिर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन समिति के ट्रस्टी अनिल कुमार मोदी ने बताया कि 16 अप्रेल को शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के लिए नासिक (महाराष्ट्र) से प्रसिद्ध पथक ढोल बुलाया गया है, जिसमें 75 कलाकार अपने वाद्य यंत्रों से प्रस्तुति देंगे। केरल की देव दर्शन झांकियां भी आकर्षण का केन्द्र रहेगी। भजन गायक अनूप जलोटा व अन्य कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे। 17 अप्रेल को बाबा गंगाराम, देवकीनन्दन व माता गायत्री देवी का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद बाबा गंगाराम अमृतवाणी का सामूहिक संगीतमय पाठ होगा जिसे कोलकाता के नवीन जोशी प्रस्तुत करेंगे।

सैंड आर्टिस्ट नीतीश भारती रेत से दिखाएंगे कला

इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट नीतीश भारती रेत के माध्यम से अपनी कला के हुनर दिखाएंगें। पारदर्शी कांच पर बनाए गए चित्रों को कैमरे के माध्यम से एल. ई. डी. स्क्रीन पर दिखाया जाएगा। वे इंडियाज़ गोट टैलेंट कार्यक्रम में शीर्ष पर अपना स्थान बना चुके है।

जयपुर पुलिस ने अवैध वसूली करने वाली गैंग का किया भांडाफोड़ ~ चारों बदमाश गिरफ्तार, प्रति माह 8 से 10 लाख की करते थे वसूली

जयपुर। जयपुर के वेस्ट जिले की पुलिस ने निजी बसों से अवैध वसूली करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। भांकरोटा थाने के एसआई सुरेंद्र और उनकी टीम ने स्टिंग ऑपरेशन कर गिरोह की गतिविधियों को रिकॉर्ड किया, जिससे पता चला कि ये बदमाश निजी बस चालकों से जबरन पैसे वसूलते थे। पुलिस ने चार अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर इन अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से वसूली की रकम भी बरामद की। इस अवैध धंधे को पिछले 15 वर्षों से चौमू पुलिया बस स्टैंड के आसपास संचालित किया जा रहा था, जिससे प्रति माह 8 से 10 लाख रुपये की अवैध वसूली की जाती थी।

स्टिंग ऑपरेशन से हुआ खुलासा

डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि पुलिस को चौमू पुलिया पर निजी बस चालकों से अवैध वसूली की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद टीम को स्पाई गैजेट्स देकर जांच कराई गई। 28 और 29 मार्च को पुलिस टीम ने गोपनीय रूप से रैकी की और गिरोह की गतिविधियों को रिकॉर्ड किया। जांच में सामने आया कि बदमाश प्रत्येक बस से 50-100 रुपये वसूलते थे और पैसा न देने पर बस चालकों को धमकाते थे। विरोध करने पर बसों पर हमला कर पत्थर फेंके जाते थे और बसों में तोड़फोड़ की जाती थी। इस गिरोह का संचालन संगठित रूप से शिफ्टों में किया जाता था, जिससे सभी निजी बस चालक भयभीत रहते थे और शिकायत करने से कतराते थे।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है

1. भगवान सिंह (37) - निवासी डीडवाना कुचामन, हाल निवासी जयपुर। इसके पास से 45,360 रुपये, एक चाकू और स्कॉर्पियो कार बरामद हुई।

2. श्याम वीर सिंह (29) - निवासी नीमकाथाना, सीकर।

3. विक्रम सैन उर्फ विक्की (40) - निवासी हसाड़ा, जयपुर।

4. दिलीप सिंह (54) - निवासी सीकर, हाल निवासी जयपुर।

गिरोह के मुख्य सरगना राजेंद्र उर्फ विजेंद्र की तलाश जारी है। पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रही है।

तीन जोड़ी स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन

जयपुर। रेलवे की ओर से ग्रीष्मावकाश पर तीन जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार मथुरा-गंगापुर सिटी प्रतिदिन 1 अप्रैल से 30 जून तक मथुरा से प्रतिदिन शाम 4.15 बजे रवाना होकर रात 10.55 बजे गंगापुर सिटी पहुंचेगी। गंगापुर सिटी-मथुरा 1 अप्रैल से 30 जून तक गंगापुरसिटी से प्रतिदिन रात 11.25 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7 बजे मथुरा पहुंचेगी। आगराकैंट-असारवा प्रतिदिन 1 अप्रैल से 30 जून तक आगराकैंटसे प्रतिदिन रात 11 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 4.35 बजे असारवा पहुंचेगी। असारवा-आगराकैंट प्रतिदिन 2 अप्रैल से 1 जुलाई तक असारवा से प्रतिदिन शाम 6 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 10.20 बजे आगराकैंट पहुंचेगी। कानपुर सेट्रल-असारवा प्रतिदिन रेल 7 अप्रैल से 30 जून तक कानपुर सेट्रल से प्रतिदिन सुबह 8 बजे रवाना होकर सुबह 5.45 बजे असारवा पहुंचेगी। असारवा-कानपुरसेट्रल प्रतिदिन 8 अप्रैल से 1 जुलाई तक असारवा से प्रतिदिन सुबह 9.15 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7 बजे कानपुर सेट्रल पहुंचेगी।

ट्रेनें प्रभावित - पूर्व तटीय रेलवे मेरामण्डली-हिन्डोल रोड रेलखण्ड के मेरामण्डली स्टेशन पर तीसरी-चौथी लाइन डालने के कारण जोधपुर-पुरी एक्सप्रेस रेलसेवा 19 अप्रैल को और पुरी-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा 16 अप्रैल को रद्द रहेगी। वहीं पुरी-लालगढ़ एक्सप्रेस रेलसेवा 16 अप्रैल को परिवर्तित मार्ग खोरधा रोड-विजयनगर-बिलहर घाट-सम्बलपुर-झारसुगुड़ा रोड होकर, लालगढ-पुरी एक्सप्रेस रेलसेवा 20 अप्रैल को परिवर्तित मार्ग झारसुगुड़ा रोड-सम्बलपुर-बिलहर घाट-टिटिलागढ-विजयनगरम-खोरधा रोड होकर, पुरी-अजमेर एक्सप्रेस रेलसेवा 17 व 21 अप्रैल को परिवर्तित मार्ग खोरधा रोड-बमर-विजयनगरम-टिटिलागढ़-लखौली होकर, अजमेर-पुरी एक्सप्रेस रेलसेवा 15 व 17 अप्रैल को परिवर्तित मार्ग लखौली-टिटिलागढ-विजयनगरम-बमर-खोरधा रोड होकर संचालित होगी।

हावडा-खातीपुरा स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन ~

रेलवे की ओर से ग्रीष्मावकाश पर हावड़ा-खातीपुरा (जयपुर) स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। हावड़ा-खातीपुरा स्पेशल रेलसेवा 13 अप्रैल से 1 जून तक हावड़ा से शाम 6 बजे रवाना होकर दूसरे दिन रात 11 बजे खातीपुरा पहुंचेगी। खातीपुरा (जयपुर)-हावड़ा स्पेशल रेलसेवा 15 अप्रैल से 3 जून तक खातीपुरा से सुबह 5.30 बजे रवाना होकर दूसरे दिन दोपहर 3.15 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

निलंबित 6 पुलिसकर्मी बहाल, बड़ा सवाल पहले दोषी क्यों माना था?

झुंझुन। दरअसल झुंझुनूं के एसएस मोदी स्कूल परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी हिमांशु शर्मा अंतिम समय में पहुंचा और जल्दबाजी में किसी अन्य परीक्षार्थी की सीट पर बैठ गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने उच्च स्तर से पुलिसकर्मी को फोन करवाकर प्रवेश प्राप्त किया है। बाद में सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पाया गया कि उसे 11.03 बजे प्रवेश दिया गया था। फुटेज में दो परीक्षार्थी गेट बंद होने के बाद प्रवेश करते दिखे। केंद्राधीक्षक ने इस घटना की रिपोर्ट जिला कलक्टर को भेजी, जिसके बाद एसपी शरद चौधरी ने उसी दिन कार्रवाई करते हुए परीक्षा केंद्र पर तैनात एएसआई पवन स्वामी, हेड कांस्टेबल जयपाल, कांस्टेबल मुनेश, सुबोध, कुलदीप और बलराम को निलंबित कर दिया था।

जांच में पुलिसकर्मी निर्दोष

एसपी ने इस मामले की जांच डिप्टी साइबर रामखिलाड़ी मीणा को सौंपी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की गई और अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए। जांच में दोषमुक्त पाए जाने के बाद एसपी ने सभी निलंबित पुलिसकर्मियों को बहाल कर दिया।

सभी को बहाल कर दिया गया

जांच रिपोर्ट जिला कलक्टर को सौंप दी गई है। पुलिसकर्मियों की कोई लापरवाही सामने नहीं आई, इसलिए सभी को बहाल कर दिया गया है। पुलिस की जिम्मेदारी मुख्य गेट तक की थी, अंदर की जांच एडीएम करेंगे।

शरद चौधरी, एसपी, झुंझुनूं

बीएसएनएल के कारण सरकार को 1757 करोड़ का नुकसान

• रिलायंस जियो से नहीं की वसूली, कैग का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने मंगलवार को कहा कि दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने टावर जैसे बुनियादी ढांचे को साझा करने पर अपने समझौते के अनुसार रिलायंस जियो से 10 साल कोई वसूली नहीं की। इससे सरकार को 1,757.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कैग ने कहा, भारत संचार निगम लि. (बीएसएनएल) दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाताओं (टीआईपी) को दिए जाने वाले राजस्व हिस्से से लाइसेंस शुल्क का हिस्सा काटने में विफल रही। इससे सरकारी कंपनी को 38.36 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बयान में कहा गया है कि बीएसएनएल मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. (आरजेआईएल) के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट (एमएसए) को लागू करने में विफल रही। बीएसएनएल के साझा टावर जैसे बुनियादी ढांचे पर इस्तेमाल की गई अतिरिक्त प्रौद्योगिकी के लिए बिल नहीं दिया। इससे मई, 2014 से मार्च, 2024 के बीच सरकारी खजाने को 1,757.76 करोड़ का नुकसान हुआ और उस पर दंडात्मक ब्याज भी देना पड़ा। यह भी पाया गया कि बीएसएनएल ने बुनियादी ढांचा साझाकरण शुल्क का कम बिल बनाया था।

झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो वाले शेयर में बंपर उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में स्मॉल कैप वाला स्टॉक बाजार स्टाइल रिटेल 2 अप्रैल यानी आज इंट्राडे में 12 प्रतिशत से अधिक उछल गया। यह उछाल कंपनी के मार्च 2025 तिमाही के मजबूत बिजनेस अपडेट की वजह से आया है। दोपहर 12 बजे के करीब यह 12.80 पर्सेंट उछलकर 293.38 रुपये पर पहुंच गया था। इसमें प्रति शेयर 33.34 रुपये की बढ़त थी। बता दें दिसंबर 2024 तक के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक, रेखा झुनझुनवाला के पास कंपनी के 27.23 लाख शेयर (3.65 प्रतिशत हिस्सेदारी) हैं। मार्च 2025 क्वार्टर का डेटा अभी आना बाकी है। यानी एक ही दिन में उन्हें 9 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा हुआ है। कोलकाता की यह वैल्यू फैशन रिटेल कंपनी बड़े निवेशक रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो का हिस्सा है। इसने चौथी तिमाही में अपने प्रमुख मेट्रिक्स में डबल-डिजिट ग्रोथ दिखाई है।

रेवेन्यू में 55 प्रतिशत की बढ़त- वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में स्टैंडअलोन रेवेन्यू 345.6 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के क्यू4 (223.4 करोड़) से 55 प्रतिशत ज्यादा है। प्रति स्क्वायर फुट सेल्स में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी- अब 697 रुपये/महीना (पहले 570 रुपये था)। स्टोर काउंट 214 तक पहुंचा, जो पिछले साल (162 स्टोर्स) के मुकाबले 32 प्रतिशत ज्यादा है।

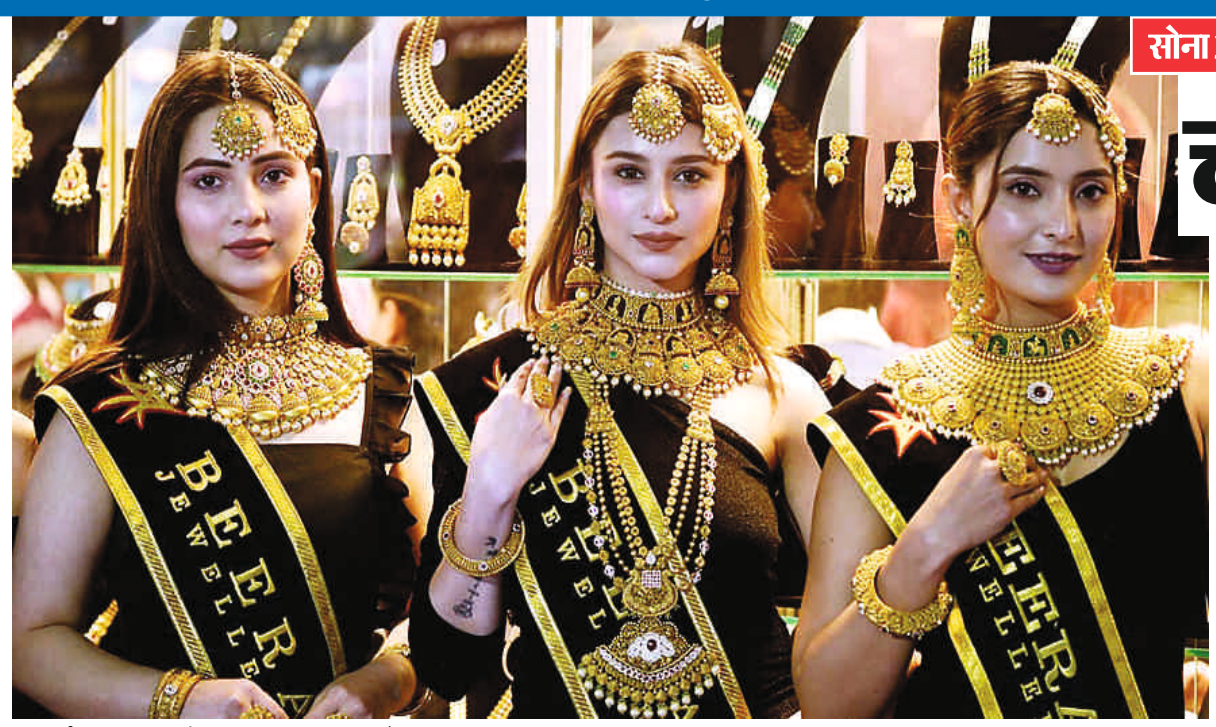

सोना 2000 रुपये उछलकर 94150 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर

चांदी में दिखी नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टॉकिस्टों और आभूषण विक्रेताओं की लगातार खरीदारी से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 2,000 रुपये बढ़कर 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के नये उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार यह करीब दो महीने में सबसे तेज वृद्धि है।

शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

विश्लेषकों के अनुसार शेयर बाजारों में गिरावट के बीच वैकल्पिक निवेश के रूप में मांग बढ़ने से विदेशी बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी दिखी। लगातार चौथे दिन मजबूती बरकरार रखते हुए 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपए की तेजी के साथ 93,700 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में सोना 91,700 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। सोने की कीमत में पिछली एक दिन की रिकॉर्ड बढ़ोतरी 10 फरवरी को दर्ज की गई थी। उस दौरान इसमें 2,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई थी। इस साल अब तक पीली धातु की कीमत 1 जनवरी के 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से 14,760 रुपये या 18.6 प्रतिशत उछल चुकी है। इस बीच, चांदी की कीमतों में तीन दिन की तेजी थम गई और मंगलवार को यह 500 रुपये घटकर 1,02,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। शुक्रवार को यह सफेद 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। ईद-उल-फितर के अवसर पर सोमवार को सर्राफा बाजार बंद रहे।

वायदा बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलीवरी वाले सोने का भाव 683 रुपए बढ़कर 91,400 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 3,149.03 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया।

कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार, सोने की कीमतें लगातार चौथे सत्र में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। ऐसा अमेरिकी टैरिफ के कारण पैदा हुई चिंताओं के कारण हुआ है। राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से बुधवार को घोषित किए जाने वाले सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए जाने वाले टैरिफ नेवैश्विक आर्थिक अस्थिरता आशंकाओं को बढ़ा दिया है।

ब्रोकरेज फर्म ने एक नोट में कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ट्रम्प के अस्थिर रुख के कारण सोने की सुरक्षित मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, कॉमेक्स सोना वायदा 3,177 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज निवेशकों का मानना है कि टैरिफ के कारण अमेरिकी आर्थिक विकास में मंदी के कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व को जल्द ही ब्याज दरों में कटौती का सिलसिला फिर से शुरू करना पड़ेगा। इससे व्यापारियों की धारणा मजबूत होगी और सोने में और तेजी आएगी। इसके अतिरिक्त एशियाई बाजार में हाजिर चांदी 0.74 प्रतिशत घटकर 33.83 डॉलर प्रति औंस रह गई।

कॉम्पिटिटर कंपनियों के कारोबार में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। बड़ी गिरावट के बाद बाजार रिकवरी मोड में दिखने लगा है। सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार में तेजी आई और इस दौरान कई ऐसी कंपनियों के शेयर में भी उछाल आया जो हाल के दिनों में शेयर बाजार में लिस्ट हुई हैं। इनमें से एक कंपनी विशाल मेगामार्ट है। बता दें कि बुधवार, 2 अप्रैल को विशाल मेगा मार्ट के शेयरों में 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और इसका भाव 111.30 रुपये तक पहुंच गया। 28 फरवरी 2025 को शेयर 96.05 रुपये और 4 फरवरी 2025 को 126.85 रुपये तक पहुंच गया। यह दोनों भाव शेयर के 52 वीक लो और हाई हैं।

शेयर में उछाल की वजह

विशाल मेगामार्ट शेयर में उछाल आया है क्योंकि इसके कई समकक्ष रिटेल सेलर्स ने मार्च तिमाही के लिए मजबूत कारोबारी अपडेट जारी किए हैं। वी-मार्ट रिटेल ने तिमाही के लिए 17 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की, जबकि इसकी समान स्टोर बिक्री पिछले साल की तुलना में 8 प्रतिशत बढ़ी। कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान 53 स्टोर भी जोड़े। बुधवार को वी-मार्ट रिटेल के शेयर 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करते नजर आए।

दूसरी कंपनियों का क्या रहा हाल- इसी तरह, वी2 रिटेल ने मार्च तिमाही के दौरान 69 प्रतिशत राजस्व वृद्धि देखी। कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान 74 नए स्टोर खोले और केवल दो बंद किये। वी2 रिटेल के शेयर 5 प्रतिशत के ऊपरी सर्किट में 1,809.9 पर बंद हैं। बाजार स्टाइल रिटेल ने अपना कॉमर्शियल अपडेट जारी किया, जहां मार्च तिमाही के दौरान इसके राजस्व में 55 प्रतिशत और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष के दौरान कुल स्टोर नेटवर्क भी 58 स्टोर तक विस्तारित हुए जो साल-दर-साल 76 प्रतिशत की वृद्धि है।

म्यूचुअल फंड ने खरीद डाले इस कंपनी के 297500 शेयर, रॉकेट बना भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। गैलेक्सी सर्फैक्टेंट्स के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज 9 प्रतिशत की तेजी देखी गई और यह बीएसई पर 2279.95 प्रति शेयर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड द्वारा बल्क डील के जरिए से कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद शेयर में यह तेजी आई है।

क्या है डिटेल- एनएसई बल्क डील डेटा के अनुसार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने 1 अप्रैल, 2025 को 2,092 प्रति शेयर के हिसाब से 2,97,500 शेयर खरीदे। बीएसई शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, दिसंबर 2024 तक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के पास कंपनी में 1.02 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। कंपनी का मार्केट कैप 8,004 करोड़ रहा। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 3,366.3 प्रति शेयर और 52-सप्ताह का निम्नतम स्तर 2,028.2 प्रति शेयर रहा। म्यूचुअल फंड की सार्वजनिक शेयरधारिता के तहत 3.88 प्रतिशत हिस्सेदारी और एक्सिस म्यूचुअल फंड की 4.38 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बता दें कि इस साल अब तक कंपनी के शेयर 10 प्रतिशत तक गिर गए। छह महीने में इसमें 25 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

कंपनी का कारोबार- बता दें कि गैलेक्सी सर्फैक्टेंट्स और स्पेशलिटी केयर इंग्रीडिएंट्स की दुनिया में प्रमुख प्लेयर में से एक है। यह होम और पर्सनल केयर इंडस्ट्री को फोकस में रखकर काम करता है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, कंपनी के पास छह अत्याधुनिक प्लांट हैं, जिनमें से चार भारत में, एक मिस्र में और एक अमेरिका में हैं। गैलेक्सी सर्फैक्टेंट्स कई तरह के सर्फैक्टेंट्स और स्पेशलिटी इंग्रीडिएंट्स का उत्पादन करता है, जिसमें एनायनिक, कैटायनिक, नॉनआयनिक और एम्फोटेरिक सर्फैक्टेंट्स शामिल हैं।

मुंबई में बोलीं राष्ट्रपति

आर्थिक स्थिरता के लिए आरबीआई और सरकार के बीच स्थायी साझेदारी जरूरी

मुंबई एजेंसी। प्रौद्योगिकी की प्रगति के कारण वित्तीय धोखाधड़ी का जोखिम बढ़ रहा है। ऐसे में व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक और सरकार के बीच स्थायी साझेदारी की जरूरत है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को आरबीआई के कार्यक्रम में यह बात कही।

भारतीय रिजर्व बैंक की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह में बोलते हुए मुर्मू ने सुरक्षित बैंकिंग वातावरण को मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए आरबीआई की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी की तीव्र प्रगति के साथ, वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर खतरों का जोखिम भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक बढ़ती हुई चिंता है जिस पर निरंतर निगरानी की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई की पिछले 90 वर्षों की उल्लेखनीय यात्रा सरकार की दूरदर्शिता और नीतियों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि बदलती आर्थिक स्थिति में पहुंच का विस्तार, दक्षता में सुधार और लचीलेपन को मजबूत करने के लिए बैंक लगातार काम कर रहा है।

रिजर्व बैंक सभी चुनौतियों सामना करने के लिए तैयार- संजय मल्होत्रा- गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 1 अप्रैल को केंद्रीय बैंक की 90वीं वर्षगांठ समारोह में अपने स्वागत भाषण में बोलते हुए कहा, रिजर्व बैंक सभी चुनौतियों सामना करने और अनिश्चितताओं के बीच से कहीं अधिक विस्तारित हो गई है। आज हम परंपरा और भविष्य के लिए सहासिक रास्ता तैयार करने के साथ ही सभी अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस अवसर पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवन फडणवीस और आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा सभी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक की भूमिका पहले परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं, जहां मूल्य में स्थिरता, वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास की अनिवार्यताएं नई तकनीकी प्रगति और वैश्विक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के साथ जोड़ती हैं।

वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए आरबीआई प्रतिबद्ध: गवर्नर

वित्तीय समावेश को बढ़ाने और उसे मजबूत करने के लिए हम प्रतिबद्ध है, जबकि यह वित्तीय स्थिरता और दक्षता का संतुलित करता है। उन्होंने कहा कि ग्राहक सेवाओं में लगातार सुधार और ग्राहक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों पर लगातार प्रयास करते रहेंगे। वित्तीय स्थिरता और दक्षता के हितों को संतुलित करके हमारे नियामक ढांचे को अनुकूलित करने का हमारा प्रयास होगा और हम प्रौद्योगिकी और नवाचार का समर्थन करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि अगला दशक भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे के लिए महत्वपूर्ण होगा।

वित्तीय समावेशन के लिए 551 मिलियन से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। आरबीआई के वित्तीय समावेशन सूचक अंक के अनुसार देश में वित्तीय समावेशन की सीमा मार्च 2024 में 64.2 रही जो मार्च में 60.1 और 2017 में 43.4 थी। यह सूचकांक तीन उप सूचकांक पर आधारित है। पहुंच, गुणवत्ता और उपयोग। गवर्नर कहा कि आरबीआई हर विनियमन के लाभ और लागत के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता रहा है।

कर्नाटक सरकार ने डीजल पर बढ़ाया बिक्री कर

2 रुपये प्रति लीटर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दूध और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद कर्नाटक सरकार ने आम जनता को एक बार फिर महंगाई का झटका दिया है। कर्नाटक सरकार ने डीजल पर कर्नाटक बिक्री (केएसटी) दर को 18.4 प्रतिशत बढ़ाकर 21.17 प्रतिशत कर दिया है, जो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होगी। इस कर वृद्धि के कारण डीजल की कीमत प्रति लीटर 2 बढ़कर 91.02 हो गई है। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है और राज्य में डीजल की बढ़ी हुई कीमतें अब पूरे राज्य में लागू होंगी।

वर्तमान में राज्य में डीजल की कीमत 88.99 प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 102.92 प्रति लीटर है। पिछली बार डीजल की कीमतों में जून 2024 में बढ़ोतरी हुई थी। जब सरकार ने पेट्रोल पर बिक्री कर 25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत और डीजल पर 14.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.4 प्रतिशत कर दिया था। इस वृद्धि के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः 3 और 3.02 प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने हाल में कई चीजों के दामों में बढ़ोतरी की है। सरकार को बढ़ी कीमतों को लेकर कड़ी आलोचना का सामना भी करना पड़ रहा है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने राज्य में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर एक-एक करके वस्तुओं पर कर लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कीमतें बढ़ा रही है और गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों का खून चूस रही है।

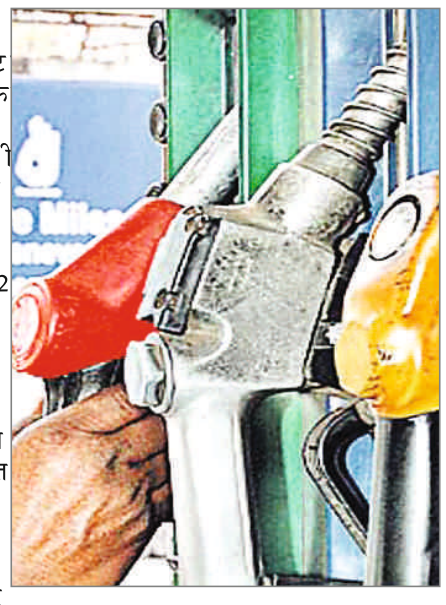

एक्स पर आर अशोक ने लिखा कि कांग्रेस सरकार ने दूध के दाम बढ़ा दिए, कचरा संग्रहण पर उपकर लगा दिया और अब अचानक डीजल के दाम में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। डीजल माल परिवहन के लिए इस्तेमाल होने वाला ईंधन है। सिद्धारमैया जो खुद को अर्थशास्त्री मानते हैं, यह नहीं जानते कि अगर डीजल के दाम बढ़ेंगे तो दूध, सब्जियां, फल, किराने का सामान, टैक्सी समेत सभी जरूरी सामान और सेवाओं के दाम बढ़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब इसमें कोई संदेह नहीं है कि डीजल के दाम बढ़ने के बहाने बस टिकट के दाम फिर से बढ़ाए जाएंगे। यह नया शुल्क हाल ही में हुई कई अन्य मूल्यवृद्धियों के बाद आया है, जिससे आम जनता की जेब पर भारी असर पड़ा है।

श्री अहिंसा नेचुरल्स का बंपर डेब्यू, एनएसई एसएमई पर 140 में हुई शेयर की लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। श्री अहिंसा नेचुरल्स का शेयर मार्केट में बंपर डेब्यू हुआ। इसकी लिस्टिंग एनएसई एसएमई पर 140 रुपये प्रति शेयर प्राइस के साथ शुरू हुई, जो 119 रुपये के इश्यू प्राइस से 17.6 प्रतिशत अधिक है। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ 27 मार्च को बंद हुआ था और यह 62.71 गुना सब्सक्राइब किया गया था। श्री अहिंसा नेचुरल्स शेयर ने आज एनएसई एसएमई पर बंपर शुरुआत की। श्री अहिंसा नेचुरल्स शेयर आज 140 रुपये पर खुले। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ मंगलवार, मार्च 25 को सब्सक्रिप्शन के लिए खोला गया और गुरुवार, मार्च 27 को बंद कर दिया गया। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ प्राइस बैंड 10 रुपये के फेस वैल्यू के प्रति इक्विटी शेयर 113 रुपये से 119 रुपये के बीच तय किया गया था। इसके बाद न्यूनतम 1,200 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 1,200 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियां लगाई जा सकती हैं। श्री अहिंसा नेचुरल्स आईपीओ सब्सक्रिप्शन स्टेटस 62.71 गुना है।

क्या करती है कंपनी

1990 में स्थापित श्री अहिंसा नेचुरल्स लिमिटेड के अनुसार, कैफीन एनहाइड्रस, ग्रीन कॉफी बीन एक्सट्रैक्ट्स और क्रूड कैफीन के एक्सट्रैक्शन और मैन्युफैक्चरिंग पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि विभिन्न हर्बल अर्क के व्यापार में भी यह शामिल है।

अडानी समूह और एलएंडटी से एक साथ मिले 2 बड़े ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। एसएमई स्टॉक हर्षदीप हॉर्टिको के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर इंट्राडे में 2 प्रतिशत तक चढ़कर 67.80 रुपये के हाई पर आ गए थे। कई मजोर मार्केट सेंटिमेंट बावजूद बीएसई एसएमई स्टॉक में एक महीने से अधिक समय में लगभग 12 प्रतिशत तेजी दर्ज की गई है। पिछले साल फरवरी में लिस्ट होने के बाद से हर्षदीप हॉर्टिको के शेयरों में अब तक 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है।

हर्षदीप हॉर्टिको को 2 नए ऑर्डर मिले- कंपनी ने ऐलान किया है कि उसे आगामी नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फूलों के गमलों की सप्लाई के लिए लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे प्राइवेट लिमिटेड (अडानी समूह) से दो महत्वपूर्ण ऑर्डर मिले हैं। एक सचेंज फाइलिंग के अनुसार, लगभग 43.50 लाख और 96.45 लाख के ऑर्डर 30 जून 2025 तक डिलीवर किए जाने हैं।

कंपनी ने क्या कहा- कंपनी ने 1 अप्रैल को एक विज्ञप्ति में कहा, यह विकास पिछले साल मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे लिमिटेड (64.90 लाख रुपये) और मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (21.7 लाख रुपये) को अनुकूलित प्लांट्स की आपूर्ति के लिए 86.6 लाख रुपये के ऑर्डर हासिल करने में कंपनी की पिछली सफलता के बाद हुआ है, दोनों ही अडानी समूह द्वारा संचालित हैं। कंपनी ने 120 दिनों के भीतर इन ऑर्डर को सफलतापूर्वक एग्जिक्यूट किया था।

कंपनी के शेयरों के हाल- हर्षदीप हॉर्टिको का मार्केट कैप लगभग 107 करोड़ है, जिसका 52-सप्ताह का हाई/लो स्तर क्रमशः 86 और 42.20 है। कंपनी गमले, प्लांटर्स, गार्डन एक्सेसरीज और आउटडोर फर्नीचर उपलब्ध कराती है।

आईपीएल 2025:

श्रेयस को रोकना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन

लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतक से एक साथ तोड़ा धोनी-गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 13वें मुकाबले में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने बड़ी ही आसानी से 8 विकेट से हरा दिया। पंजाब किंग्स का ये इस लीग में दूसरा लीग मैच मैच था और दोनों ही मैचों में इस टीम को जीत मिली। पंजाब की बैटिंग इस मैच में धाकड़ रही और इस टीम ने 172 रन के टारगेट को 8 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

लखनऊ के खिलाफ इस मैच में पंजाब के ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (69 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (52 रन) ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जबकि चौथे नंबर पर बैटिंग करने आए नेहर वढेरा (43 रन) भी नाबाद रहे।

पंजाब के लिए इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह काफी असरदार रहे और अपनी टीम के लिए 3 विकेट लेने में सफलता हासिल की। प्रभसिमरन सिंह को उनकी तेज बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया तो वहीं कमाल की लय में चल रहे कप्तान श्रेयस ने नाबाद पारी के दम पर एमएस धोनी और एडम गिलक्रिस्ट के बड़े रिकॉर्ड को तोड़न में सफ्लता हासिल की।

श्रेयस अय्यर ने एमएस धोनी को पीछे छोड़ा

श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई और बतौर कप्तान एक बेहतरीन रिकॉर्ड अपने नाम किया। श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बना ली।

बतौर कप्तान श्रेयस की आईपीएल में ये लगातार 8वीं जीत रही और उन्होंने एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने कप्तान के रूप में साल 2013 में लगातार 7 मैचों में जीत हासिल की थी। वहीं श्रेयस ने शेन वॉर्न की बराबरी कर ली जिन्होंने साल 2008 में लगातार 8 मैच जीते थे।

आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान

10 - गौतम गंभीर (2014-15)
8 - शेन वॉर्न (2008)
8 - श्रेयस अय्यर (2024-25)
7 - एमएस धोनी (2013)

श्रेयस ने तोड़ा एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड

श्रेयस अय्यर ने लखनऊ के खिलाफ हुए मैच में 30 गेंदों पर 4 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन की पारी खेली और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 173.33 का रहा। अपनी पारी में लगाए 4 छक्कों के दम पर श्रेयस अय्यर आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर आ गए और एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया।

श्रेयस ने बतौर कप्तान इस लीग में अब तक 83 छक्के लगाए हैं जबकि गिलक्रिस्ट ने 79 सिक्स जड़े थे। इस सूची में पहले स्थान पर एमएस धोनी हैं जिन्होंने 218 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के (पारी)

218 - एमएस धोनी (196)
168 - विराट कोहली (142)
158 - रोहित शर्मा (157)
109 - डेविड वॉर्नर (83)
105 - केएल राहुल (64)
91 - संजू सैमसन (60)
83 - श्रेयस अय्यर (71)
79 - एडम गिलक्रिस्ट (74)

बीसीसीआई ने फिर दिखाया ईशान किशन को ठेंगा

टीम इंडिया में वापसी, अब तो भूल ही जाओ!

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट अभी जारी नहीं हुई है, लेकिन विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर अपडेट है कि वो + ग्रेड में बने रहने वाले हैं. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि श्रेयस अय्यर को उनका कॉन्ट्रैक्ट वापस मिलने वाला है. इस बीच विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के भविष्य पर भी खबर सामने आई है. याद दिला दें कि पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर और ईशान किशन, दोनों को डोमेस्टिक क्रिकेट ना खेलने के कारण बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया था. स्पोर्ट्स तक के मुताबिक बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस दे सकती है. दूसरी ओर ईशान किशन को कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है. किशन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते दिखे थे.

ईशान किशन को करना पड़ेगा इंतजार

स्पोर्ट्स तक के हवाले से एक सूत्र ने बताया, ईशान किशन को अभी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा. उन्होंने दिक्कतों को सुधारा है, लेकिन अभी तक वह प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, जिससे उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में वापस लाया जा सके. बीसीसीआई की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होने के बाद ईशान किशन ने आईपीएल 2024 में सिर्फ 23 के औसत से 320 रन बनाए थे. इसके अलावा डोमेस्टिक मैचों में भी किशन कमाल का प्रदर्शन नहीं कर सके हैं. साल 2024 से किशन का टी20 में औसत सिर्फ 28.04 का रहा है.

इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज से बड़ा झटका, बेन स्टोक्स चैंपियनशिप से बाहर

लंदन, एजेंसी। भारत बनाम इंग्लैड के साथ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने यह जानकारी दी। कैंपबले को भरोसा है कि ऑलराउंडर स्टोक्स इंग्लैंड के ग्रीष्मकालीन मुकाबलों के लिए पूरी तरह से फिट हो जाएंगे।

ऑलराउंडर स्टोक्स (33) छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान हुई वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑलराउंडर स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से अब अपनी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

मुख्य कोच ने कहा, 'वे फिलहाल गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। हालांकि उन्हें टेस्ट मैचों के शुरू होने से पहले अपने आप को फिट रखना होगा। इंग्लैंड का टेस्ट समर 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के मद्देनजर स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। ऑलराउंडर स्टोक्स ने सोमवार से डरहम में अपनी रिकवरी जारी रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान का न्यूजीलैंड में बना तमाशा

दूसरे वनडे में हार के साथ गंवाई सीरीज, इस गेंदबाज ने मिटाई सारी कसक

हेमिल्टन, एजेंसी। लो भइया, हार गया एक और मैच, एक और सीरीज भी गंवा दी है. पाकिस्तान. न्यूजीलैंड में बन गया तमाशा, पाकिस्तान की पूरी क्रिकेट टीम का. टी20 सीरीज तो हार ही गए थे. हैमिल्टन वनडे में मिली हार के बाद अब उन्होंने वनडे सीरीज भी गंवा दी है. 3 वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुका है न्यूजीलैंड, जिसकी कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाजों की एक ना चली.

बेशक 300 रनों से कम का टारगेट था तो मौका लग रहा था. लेकिन, न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उस मौके को उनकी पहुंच से दूर कर दिया. खासकर 27 साल के बेन सियर्स ने, जिन्होंने इस मैच में अपनी सारी कसक मिटा ली. उन्होंने अपने वनडे करियर के पहले विकेट से लेकर 5 शिकार करने तक, सब इसी मैच में किए. हैमिल्टन में खेले दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रन से हराया. पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 292 रन बनाए थे.

जवाब में 292 रन का पीछा करने उतरी पाक टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी. 41.2 ओवर में ही 208 रन पर उसकी पारी का अंत हो गया. इससे पहले नेपियर में खेले पहले वनडे में पाकिस्तान को 90 रन से हार मिली थी.

बेन सियर्स ने पाकिस्तान का खोला 'पंजा', मिटाई कसक: पाकिस्तान की टीम को लक्ष्य से 84 रन दूर रोकने में सबसे बड़ी भूमिका अपने तीसरा वनडे मैच खेल रहे गेंदबाज बेन सियर्स की रही. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने हैमिल्टन वनडे में कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने 9.2 ओवरों में 59 रन देकर 5 खिलाड़ियों को आउट किया. बेन सियर्स ने जहां पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया, वहीं उन्होंने इस मैच में अपने वनडे करियर का पहला विकेट भी लिया. इससे पहले खेले 2 वनडे में उनके नाम कोई विकेट नहीं था.

हैमिल्टन वनडे में पाकिस्तान की हार की सबसे बड़ी वजह उसके टॉप के 5 बल्लेबाजों की नाकामी रही, जिनके लिए दहाई का आंकड़ा छूना पहाड़ चढ़ने जैसा रहा. टॉप ऑर्डर का कोई बल्लेबाज डबल डिजीट में रन नहीं बना सका, फिर चाहे वो बाबर आजम हों, इमाम-उल-हक, अब्दुल्लाह शफीक या मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा, सबके सब सिंगल डिजीट स्कोर पर आउट हुए. ये सभी बल्लेबाज 50 रन के अंदर मतलब सिर्फ 32 रन पर पवेलियन लौट चुके थे.

जिस टीम ने सड़क से उठाया, अब उसे ही छोड़ना चाहते हैं यशस्वी जायसवाल, चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी अगर किसी टीम में रहे तो उसके जीतने की संभावना ज्यादा रहती है क्योंकि वो एक मैच विनर हैं. लेकिन अब इस मैच विनर बल्लेबाज ने अपनी टीम छोड़ने की इजाजत मांगी है. खबर बेहद चौंकाने वाली है, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल मुंबई रणजी टीम को छोड़ना चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से एनओसी मांगी है. यशस्वी जायसवाल ने इसकी निजी वजह बताई है.

किस टीम से खेलेंगे जायसवाल?

रिपोर्ट्स की मानें तो यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को छोड़कर गोवा जाने का फैसला किया है. वो आने वाले रणजी सीजन में गोवा के लिए खेलना चाहते हैं. पृथ्वी शॉ से पहले मुंबई के कई क्रिकेटर गोवा खेलने गए हैं. इसमें एक पॉपुलर नाम अर्जुन तेंदुलकर हैं जो कि पहले मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी खेलते थे लेकिन अब पिछले 3 सीजन से वो गोवा के लिए रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं. अब यशस्वी जायसवाल भी इसी टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं.

ऐसी खबरें हैं कि यशस्वी जायसवाल गोवा के कप्तान बन सकते हैं. हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है. ये जरूर है कि यशस्वी जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को एनओसी के लिए ईमेल किया है.

2019 में किया था मुंबई के लिए डेब्यू

यशस्वी जायसवाल ने साल 2019 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था. फर्स्ट क्लास क्रिकेट का पहला मैच उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेला. पहले मैच में ये खिलाड़ी कुछ खास कमाल नहीं कर पाया लेकिन इसके बाद जायसवाल ने रनों का अंबार लगा दिया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 36 फर्स्ट क्लास मैचों में 60 से ज्यादा की औसत से 3712 रन बनाए हैं. जायसवाल के बल्ले से 13 शतक और 12 अर्धशतक निकले हैं. बता दें यशस्वी जायसवाल को मुंबई की टीम ने ही मौका दिया जिसके बाद वो इतना बड़ा नाम बने. मुंबई ने इस खिलाड़ी को पूरा सपोर्ट किया, उन्हें टॉप ऑर्डर में जगह दी और अब ये खिलाड़ी इस टीम को छोड़ने वाला है.

भारत का सबसे युवा प्रोफेशनल बॉक्सर अब भी देख रहा ओलंपिक मेडल जीतने का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारत के निशांत देव मेडल के दावेदार थे लेकिन वह अपने ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गए। इस हार ने निशांत का दिल तोड़ दिया। वह परिणाम से संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगा कि परिणाम उनके पक्ष में आना चाहिए था। इस दिल तोड़ने वाली हार के बाद वह कुछ समय के लिए ब्रेक पर गए। कुछ समय बाद खबर आई की निशांत प्रोफेशनल बॉक्सर बनने वाले हैं। निशांत ने अपने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई। निशांत यादव के मुताबिक जब वह 15 साल के थे तबसे प्रोफेशनल बॉक्सर बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब पर मोहम्मद अली, माइक टाइसन और कॉनर मैक्ग्रेगर की वीडियो देखी और सपना देखने लगे कि एक दिन वह भी ऐसे ही प्रोफेशनल बॉक्सर बनेंगे।

पेरिस ओलंपिक की हार नहीं प्रोफेशनल बनने की वजह

उन्होंने कहा, मेरे चाचा, जो जर्मनी में रहते थे, उन्होंने मुझे प्रोफेशनल बॉक्सिंग की कहानियां सुनाईं, और तब से मेरा सपना शुरू हुआ जब मैं 15 साल का था।

यह एक गलत धारणा है कि मैं ओलंपिक में मार्को (वर्डे) से हारने के कारण प्रोफेशवल मुक्केबाज बन गया। हां, हार निराशाजनक थी, और उस हार के बाद मैं बहुत बुरी स्थिति में था, लेकिन प्रोफेनल बनने का फैसला मैंने बहुत कर लिया था।'

लॉस एंजेलिस में शुरू हुआ सफर

उन्होंने कहा, पेरिस मेरे लिए मुश्किल था। मेरा पूरा परिवार वहां मौजूद था, और यह मेरे लिए बहुत बड़ी हार थी। जब परिणाम मेरे पक्ष में नहीं आया, तो मैं पूरी तरह से खो गया। लेकिन मेरा परिवार मेरे साथ है, इसलिए उन्होंने मेरा ख्याल रखा।

जब मैं भारत लौटा, तब भी सभी ने यही पूछा, और मैं किसी भी बात का जवाब नहीं देना चाहता था। इसी दौरान उन्हें सबसे पहले कोच रेनाल्ड का फोन आया जो कि खुद एक प्रोफेशनल बॉक्सर रहे हैं।

कोरोना काल में ट्रॉफियां बेचकर की थी मदद, अब 20 साल के गोल्फर अर्जुन भाटी को मिलेगा यूथ अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। गोल्फर अर्जुन भाटी की उम्र तो महज 20 साल है, लेकिन इस उम्र में उन्होंने गोल्फ कोर्स और उसके बाहर ऐसी उपलब्धियों को अंजाम दिया कि भारत सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड देने का फैसला लिया। तीन बार के जूनियर विश्व गोल्फ चैंपियन अर्जुन 150 के करीब ट्रॉफियां जीत चुके हैं।

पीएम राहत कोष में दिए थे रुपये

वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके इस प्रयास को सराहते हुए सोशल मीडिया पर उनकी

तारीफ की थी। अर्जुन को बुधवार को राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड दिया जाएगा। राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड से सम्मानित होने पर भारतीय गोल्फर अर्जुन भाटी ने कहा, मैं इस पुरस्कार के लिए बहुत आभारी हूं और यह मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मेरे प्रयासों ने फल दिया है। मैं नौ साल का था जब मैंने अपने स्कूल में पहली बार गोल्फ खेला था। मैं पिछले 11 सालों से खेल रहा हूं और यह यात्रा बहुत अच्छी रही है। मेरे सफर में मुझे बहुत से समर्थक मिले हैं। मुझे यह खेल बहुत पसंद है।

टाइगर वुड्स और विराट हैं आदर्श

अर्जुन बताते हैं कि वह इन दिनों ब्रिटिश ओपन की तैयारियों में जुटे हैं। बीते वर्ष भी वह इस चैंपियनशिप के क्वालिफायर में खेले थे, लेकिन एक स्ट्रोक से मुख्य टूर्नामेंट में खेलने से रह गए थे। टाइगर वुड्स और विराट कोहली को आदर्श मानने वाले अर्जुन ने नौ साल की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। वह ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रींस गोल्फ कोर्स में रहते हैं। अर्जुन ने कहा, टाइगर वुड्स बहुत लंबे समय से मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली को पसंद करता हूं। मुझे उनके खेल के प्रति समर्पण, फिटनेस स्तर, काया और मानसिकता बहुत पसंद है। वह देश के सभी युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। वह बहुत प्यारे और सच्चे इंसान हैं और उनका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। विराट कोहली फाउंडेशन कई अलग-अलग विषयों के लगभग 40 बच्चों की मदद करता है। उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं। मेरा भविष्य का लक्ष्य भारत के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक लाना है। मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना

2016 में पहली बार जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाले अर्जुन के मुताबिक यूथ अवॉर्ड उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा देगा। विराट कोहली फाउंडेशन 2019 से उनकी मदद कर रहा है। उनका सपना देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप: विश्व मुक्केबाजी कप में भारत की खराब शुरुआत, लक्ष्य चाहर पहले ही दौर में बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरुआत खराब रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए।

मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप 2023 के रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में 5-0 से हराया। चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। भारत के जादूमणि सिंह एम (50 किलो), निखिल दुबे (75 किलो) और जुगनू (85 किलो) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे। जादूमणि का सामना पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप के उपविजेता ब्रिटेन के एलिस

ट्राउब्रिज से होगा। निखिल की टक्कर ब्राजील के काउ बेलिनी से होगी जबकि जुगनू फ्रांस के अब्दुलाये टी से खेलेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है। विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है। पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं। इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किए गए नए भारवर्गों में खेलेंगे।

राधे-राधे ग्रूप के सदस्योने किया आयकर आयुक्त जीवनलाल लावड़िया को आमंत्रित

हैदराबाद (एजेंसी),

आगामी 7 अप्रैल को नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामलू तेलुगू विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायतार्थ चैक वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लेने के लिए आज राधे-

राधे ग्रूप के सदस्या◌े◌ं ने आयकर आयुक्त जीवनलाल लावड़िया

का◌े आमंत्रित किया। याद रहे,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा को भी आमंत्रित किया गया है।

अवसर पर राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल , महेश अग्रवाल एवं आरजे इंस्पायरेशन के चेयरपर्सन उमा कार्तिक तथा अन्य संस्था के सदस्य।

राज्यपाल को श्री सीताराम कल्याणम के लिए किया आमंत्रित

हैदराबाद (एजेंसी),

श्री सीताराम कल्याणम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है। आयोजकों ने इस भव्य महोत्सव में राज्य के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को भी आमंत्रित किया है।

भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव समिति ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और निमंत्रण दिया। आयोजकों ने राज्यपाल को बताया

कि भगवान राम का विवाह सीताराम बाग स्थित सीताराम मंदिर में हर साल भव्य रूप से आर्याजित किया जाता है, जिसका इतिहास लगभग 300 साल पुराना है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि उन्हें आमंत्रित किये जाने पर खुशी है। उन्होंने कार्यक्रम में भाग की इच्छा व्यक्त की। इसके बाद सभी सदस्यों का नाम लेकर परिचय कराया गया और उन्हें बधाई दी गई।

राज्यपाल से मुलाकात करने वालों में भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव के अध्यक्ष डॉ. भगवंतु राव, महासचिव गोविंद राठी, उपाध्यक्ष मेट्टू वैकुंटम, कोषाध्यक्ष श्रीराम व्यास, सदस्य राम राजू और विश्व हिंदू परिषद तेलंगाना राज्य अभियान के अध्यक्ष पागुडाकूला बालास्वामी शामिल थे।

30 अप्रैल को राजस्थानी जागृति समिति द्वारा आयोजित समुहक विवाह स्थगित

हैदराबाद (एजेंसी),

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वाधान में आगामी 30 अप्रैल को आयोजित सामूहिक विवाह आयोजित किया जा रहा था। सम्मेलन में मारवाड़ी समाज के जोड़ों का पंजीकृत नहीं किए जाने पर समिति द्वारा सामूहिक विवाह को स्थगित किया जाने का निर्णय समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी व मंत्री महेश अग्रवाल ने किया है । श्रीनिवास सोमानी ने कहा कि विगत विवाह 5 वर्ष से नहीं हो रहे हैं समिति बहुत प्रयास कर रहे हैं । सभी सहयोगी संगठन संस्था महिला मंडलों ने भी सामूहिक विवाह सफल बनाने का प्रयास किया।

समिति सभी सहयोगी मीडिया को धन्यवाद देते हुए सभी बंधुओ को सूचित किया जाता है कि राजस्थानी जागृति समिति के आगामी 30 अप्रैल को आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन स्थगित किया गया है।

लोकोमोटिव उत्पादन में नई उपलब्धि

नई दिल्ली,हैदराबाद (एजन्सी),

भारत ने 1,681 लोकोमोटिव का उत्पादन करके अमेरिका और यूरोप को पीछे छोड़ा भारत में रेलवे लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर 1,681 हो गया है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के कुल लोकोमोटिव उत्पादन से अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए देश में सभी लोकोमोटिव निर्माण इकाइयों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, रेलवे बोर्ड के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले साल भारत ने 1,472 लोकोमोटिव का उत्पादन किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन में 19% की वृद्धि

दर्शाता है। लोकोमोटिव उत्पादन में निरंतर वृद्धि "मेक इन इंडिया" पहल को मजबूत करने के लिए लिए गए निर्णयों का परिणाम है। वर्ष 2004 से 2014 की अवधि के दौरान देश में कुल 4,695 इंजनों का उत्पादन किया गया, जिसका राष्ट्रीय वार्षिक औसत 470 रहा।

इसके विपरीत, वर्ष 2014 से 2024 तक भारत ने 9,168 रेलवे इंजनों का निर्माण किया, जिससे वार्षिक औसत लगभग 917 हो गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1,681 इंजनों का उत्पादन किया गया। उत्पादन इस प्रकार वितरित किया गया: चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स ने 700, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स ने 477, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स ने 304, जबकि मधेपुरा और मरहौरा में 100-100 इंजनों का निर्माण किया गया। देश में उत्पादित अधिकांश इंजनों का उद्देश्य मालगाड़ियों के लिए है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्पादित 1,681 इंजनों में सभी प्रकार के है।

अखंड ज्योत और श्री अग्रसेनजी की रथ यात्रा संदर्भ में मलकपेट ,कोतापेट शाखा की बैठक

हैदराबाद (एजेंसी),

अग्रोहाधाम से महा लक्ष्मीजी की अखंड ज्योत और भगवान श्री अग्रसेनजी की रथ यात्रा जो हैदराबाद में 11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक रहेगी, जिसके स्वागत के लिए मलकपेट शाखा,कोतापेट शाखा, सत्य शक्ति महिला TV टावर शाखा द्वारा चर्चा की गई. मलकपेट भाग्य लक्ष्मी ढाबा में श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल ने यात्रा की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत करी तत्पश्चात तीनों शाखाओं के पदाधिकारियों ने मिलकर यह फ़ैसला लिया कि चैतन्य पुरी स्थित भाग्यश्री फंक्शन हाल में ढोल बाजे और नाच गाने के साथ इस यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा.

सभी पूर्वांचल शाखाओं के अग्र बंधुओं से निवेदन है कि महा लक्ष्मीजी की अखंड ज्योत और अग्रसेन महाराज का आशीर्वाद लेकर प्रसाद ग्रहण करें. अवसर पर महावीर प्रसाद अग्रवाल,पंकज कुमार संघी,महेंद्र अग्रवाल,प्रदीप बंसल,अशोक जिंदल,शैलेश अग्रवाल,अशोक अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी ,राजेश अग्रवाल,ललित अग्रवाल,रानी मित्तल, कविता,राजकुमार गुप्ता, अरुण गोयल,निश्चिंत अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

दक्षिण भारत के प्रवासी बंधुओ की मांग पर रेल मंत्रालय ने दी सौगात

बेंगलूरू (एजन्सी),

दक्षिण भारत के समस्त प्रवासी बंधुओ की मांग पर, रेल मंत्रालय ने, समर वेकेशन को ध्यान मे रखते हुए, यात्रियो की सुविधा के लिए बैंगलोर, चैन्नई, कोयंबटूर, मैसूर, इरोड से कई स्पेशल ट्रेन चलाई है। छतीष कौम की तरफ से वाया भीलडी जालोर मांग की गई थी और रेल मंत्रालय ने मांग को मानते हुए, एक ट्रेन को छोड़कर सभी स्पेशल ट्रेन वाया भीलडी जालोर ही चलाई है इसलिए रेल मंत्रालय का खूब खूब आभार

व्यक्त करते है। स्टेनलेस स्टील ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बैंगलोर के अध्यक्ष एवं श्री राजाराम आँजणा पटेल संघ बैंगलोर के उपाध्यक्ष कलाराम चौधरी ने बताया कि पिछले कई महिनो से छतीष कौम की तरफ से लगातार मांग की जा रही थी।

छतीष कौम, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ बैंगलोर कर्नाटक और रेल समन्वय एवं परामर्श समिति बैंगलोर, हुबली, मैसूर से मेमोरेंडम इमेल किए गए और रेल मंत्री एवं सांसदो को मेमोरेंडम देकर मांग की गई। दक्षिण भारत के प्रवासी बंधुओ का सहयोग करने के लिए, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद लुंबाराम चौधरी, सांसद पी सी मोहन कुमार, छतीष कौम, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ बैंगलोर, गांधीनगर भाजपा मंडल, रेल समन्वय व परामर्श समिति सदस्यो एवं समस्त कार्यकर्ताओ का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते है। अब हमारी मांग है कि जालोर रूट पर हर रोज के लिए एक ट्रेन को नियमित किया जाए या फिर जो अभी स्पेशल ट्रेने चलाई है।

उनको रेग्युलर किया जाए। इस मांग को रेल मंत्रालय तक उठाने के लिए भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ (कर्नाटक) बैंगलोर के महा सचिव नरेन्द्र कुमार भरींदवाल ने हाल ही में सांसद लुंबाराम चौधरी साहब से भेंट की है।

देवर दासिमय्या के वचनों का सार आज भी प्रासंगिक - मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे

बीदर (एजन्सी),

वन, जीव एवं पर्यावरण मंत्री तथा बीदर जिला प्रभारी ईश्वर बी. खंड्रे ने कहा कि प्रथम वचनक देवर दासिमय्या के वचनों का सार आज भी प्रासंगिक है। वे बुधवार को जिला प्रशासन, जिला पंचायत तथा कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बीदर में आयोजित देवर दासिमय्या जयंती उत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। महिलाओं को स्वतंत्रता, समानता और

सशक्तीकरण प्रदान करना,समाज की बेहतरी में देवर दासिमय्या का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने अपनी वचनों के माध्यम से असमानता और मूर्खता की खंडन की है।उन्होंने कहा कि बुनकर और व्यापारी अपने काम के प्रति समर्पित हैं और सभ्यता की बेहतरी में उनका योगदान बहुत बड़ा है। लिंगायत महामठ के श्री प्रभुदेव महास्वामीजी ने अतिथि व्याख्यान दिया।इस कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवकुमार शिलवंत, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के उप निदेशक सिद्धराम सिंधे और समुदाय के नेता सोमशेखर अमलापुरे, रामकृष्ण साले, नागप्पा जमगी, महादेव चौड़ेकर, शरणप्पा हावगोंड, प्रशांत सिंड्रे, धनराज हंगरगी और अन्य नेता उपस्थित थे। इससे पहले सुबह बीदर में श्री देवर दासिमैया के चित्र की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

राधे-राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा पूर्वाह्न पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली पर की गई। अवसर पर सतीश गुप्ता रामप्रकाश अग्रवाल सुनीता अग्रवाल महेश अग्रवाल गोपाल गोयल महेश गुप्ता संजय गोयल मायारामजी अग्रवाल नंदकिशोर अग्रवाल भगतराम गोयल राजेश योगा सरजी रोहित अग्रवाल अशोक गुप्ता एस.जे कैलाश चंद केडिया निर्मला केडिया राजकुमार अग्रवाल रविंदर गुप्ता श्याम सुंदर अग्रवाल नवीन अग्रवाल विशाल अग्रवाल शिवानी अग्रवाल प्रीतिका अग्रवाल और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

योग्य पत्रकारों को आवास स्थल आवंटित करने के लिए आरडीओ को सौंपा ज्ञापन

बेल्लमपल्ली (एजन्सी),

बेल्लमपल्ली प्रेस क्लब के सधस्यों ने बुधवार स्थानीय अतिरिक्त कलेक्टर कार्यालय मे आरडीओ हरिकृष्ण को जर्नलिस्ट कॉलोनी में योग्य पत्रकारों को आवास स्थल आवंटित करने के लिए ज्ञापन सौंपा,इस मौके पर आरडीओ ने सकारात्मक प्रतिक्रिया जताते हुए कहा मंचेरियाल जिला कलेक्टर के नजर में इस विषय को लेकर जाने का वादा किया।

अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष सदानंदम, सचिव मनोज कुमार पांडेय,उपाध्यक्ष भास्कर,आई.रमेश,कोषाध्यक्ष के.नवीन,सदस्य राकेश पांडेय, श्रावण,पवन,भास्कर,रमेश ने भाग लिया।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र का 15वाँ 'हिंदी भाषा संचेतना शिविर' का उद्घाटन

हैदराबाद (एजन्सी),

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, खैरताबाद, हैदराबाद में बी.एड्. महाविद्यालय के छात्रों के प्रशिक्षण के लिए 15वें हिंदी भाषा संचेतना शिविर' का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे ने की।

मुख्य अतिथि के रूप में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ तेलुगु साहित्यकार एवं पूर्व कुलपति पोट्टि श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, प्रो. एन. गोपि तथा मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के

निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी, विशिष्ट अतिथि के रूप में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाणा की सचिव (प्रभारी) एवं संपर्क अधिकारी श्रीमती ए. जानकी, शिक्षा महाविद्यालय, द.भा.हिं.प्र. सभा, खैरताबाद के प्राचार्य डॉ. सी.एन. मुगुटकर उपस्थित थे। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजक केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे एवं पाठ्यक्रम प्रभारी डॉ. फत्ताराम नायक मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. फत्ताराम नायक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एस. राधा ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। डॉ. संदीप कुमार ने प्रशासनिक एवं लेखा कार्य तथा सजग तिवारी ने तकनीकी सहयोग दिया।

एचसीयू की भूमि को संरक्षित किया जाए : सीपीएम

करीमनगर (एजन्सी),

एच सी विश्वविद्यालय की भूमि की रक्षा करने तथा उसे कॉर्पोरेट शक्तियों से बंधने से रोकने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे सीपीएम नेताओं की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए, सीपीएम करीमनगर जिला समिति के तत्वावधान में ने स्थानीय तेलंगाना चौक पर गुडिकन्दुला सत्यम ने पुलिस अधिकारियों की वेशभूषा में नेताओं को हथकड़ी लगाकर ले जाते हुए एक अभिनव विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। अवसर पर उपस्थित सीपीएम जिला सचिव मिलकुरी वासुदेव

रेड्डी ने कहा कि राज्य में लोक प्रशासन काम नहीं कर रहा है और उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सरकारी मशीनरी पुलिस को नेताओं के घरों में घुसकर उन्हें गिरफ्तार करने और आंदोलन करने वाले नेताओं को हिरासत में लेने के लिए उकसा रही है। उन्होंने एचसीयू की जमीनें कॉरपोरेट ताकतों को बेचने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि रातों-रात जंगलों को जलाने से वन्यजीवों और जीव-जंतुओं की मौत हो रही है और कांग्रेस सरकार पिछली सरकार द्वारा की गई गलतियों को दोहरा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि 6 गारंटी लागू करने और सातवीं गारंटी के रूप में जनता का शासन जारी रखने का वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस के लिए शांतिपूर्ण जनआंदोलनों को दबाना और नेताओं को हिरासत में लेना कितना उचित है। उन्होंने कहा कि आंदोलन को अवैध गिरफ्तारियों से नहीं रोका जा सकता और जब तक विश्वविद्यालय की भूमि सुरक्षित नहीं हो जाती, वे आंदोलन को तेज करेंगे तथा विभिन्न तरीकों से लड़ेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि पूर्व में छात्रों को दी गई जमीनें कैसे छीन ली जाएंगी। वे इस बात पर नाराजगी जताई कि विश्वविद्यालय की भूमि पर संघर्ष कर रहे छात्र संघ के नेताओं को गिरफ्तार कर उन पर अवैध मुकदमे दर्ज किए गए तथा राज्य भर के सभी जिलों में नेताओं के घर जाकर गिरफ्तारियां की जा रही हैं तथा आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों की जमीनें तुरंत छात्रों को आवंटित करे तथा चुनाव से पहले कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए वादों को लागू करे, अन्यथा वे जनसंगठनों व वामपंथी कार्यकर्ताओं को शामिल कर संघर्ष तेज करेंगे।कार्यक्रम में सीपीएम जिला सचिव गीतला मुकुंद रेड्डी, गुडिकंदुला सत्यम, जी. भीमासाहेब, जिला समिति सदस्य यू. श्रीनिवास, सुनकारा संपत, नरेश पटेल, जी. राजेशम, नेता शनिगारापु रजनीकांत, गज्जला श्रीकांत, जी. तिरूपति, कंपेली अरविंद, रायकांति श्रीनिवास, पुलेला मल्लैया, रत्नम सुरेश, रत्नम रम्या, बोगेश और अन्य ने भाग लिया।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net